■ वर्ष-23 ■ अंक-40
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

दिल्ली (राष्ट्रीय संस्करण)
■ रविवार ■ 29 मार्च 2026
चैत्र शुक्ल पक्ष एकादशी
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

दिल्ली, भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

देश की राजधानी से प्रकाशित होकर विभिन्न प्रदेशों में प्रसारित

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

प्रधानमंत्री ने किया जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन

मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बताया 'नए भारत' की ताकत

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का अनोखे अंदाज में उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने जनता को कार्यक्रम का हिस्सा बनाते हुए मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट जलाकर एयरपोर्ट का शुभारंभ कराने की अपील की और कहा कि इस परियोजना के असली हकदार देश के नागरिक हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी सुबह करीब 11.30 बजे जेवर पहुंचे, जहां उन्होंने सबसे पहले एयरपोर्ट की अत्याधुनिक टर्मिनल बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इसके बाद दोपहर 12.30 बजे रिमोट बटन दबाकर एयरपोर्ट के पहले चरण का औपचारिक उद्घाटन किया। कार्यक्रम से पहले एक डॉक्यूमेंट्री के जरिए एयरपोर्ट की विशेषताओं को प्रस्तुत किया गया। यहां प्रधानमंत्री मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, कि उद्घाटन अभी पूरा नहीं हुआ है, मैंने सिर्फ पर्दा हटाया है। असली उद्घाटन आप करेंगे। इसके बाद उन्होंने उपस्थित लोगों से अपने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट जलाने का आह्वान किया। हजारों लोगों ने एक साथ फ्लैश लाइट जलाकर 'भारत माता की जय' के नारों के बीच इस ऐतिहासिक पल को साकार किया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री को फिरोजाबाद की प्रसिद्ध कांच कला से बनी भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की। गौतम बुद्ध नगर जिले में यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे स्थित यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर का दूसरा प्रमुख हवाई अड्डा है। करीब 7,200 एकड़ में फैला यह प्रोजेक्ट सेंट्रल पार्क (न्यूयॉर्क) से लगभग आठ गुना बड़ा है। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर विकसित इस एयरपोर्ट के पहले चरण में एक रनवे और एक टर्मिनल बनाया गया है, जिसकी सालाना क्षमता 1.2 करोड़ यात्रियों की है। भविष्य में इसे बढ़ाकर 7 करोड़ यात्रियों तक करने की योजना है। प्रधानमंत्री ने इसे देश के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम बताते हुए कहा कि यह परियोजना क्षेत्रीय विकास, रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा करेगी। यह एयरपोर्ट न केवल दिल्ली-एनसीआर के बढ़ते हवाई यातायात को संभालने में मदद करेगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा।

वाराणसी में 31 को आयोजित होगा एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन

डॉ. यादव के नेतृत्व में एमपी-यूपी सहयोग को मिलेगा नया आयाम

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार 31 मार्च 2026 को वाराणसी में आयोजित होने वाले एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 के माध्यम से अंतरराज्यीय सहयोग को एक ठोस, परिणामोन्मुख और वैश्विक दृष्टि से जोड़ने की दिशा में निर्णायक पहल करेगी। यह सम्मेलन महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत संवाद के साथ ही ओडीओपी, जीआई टैग, पारंपरिक शिल्प, निर्यात योग्य उत्पादों, निवेश और पर्यटन को एकीकृत करते हुए एक व्यापक आर्थिक इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सक्रिय उपस्थिति इस आयोजन को नीति-निर्माण से आगे बढ़ाकर क्रियान्वयन आधारित सहयोग की दिशा में परिवर्तित करेगी, जिससे दोनों राज्यों के बीच विकास का एक सशक्त और दीर्घकालिक मॉडल विकसित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के अध्ययन भ्रमण से होगी, जहां क्राउड फ्लो डिजाइन, अधोसंरचना लेआउट और तीर्थयात्री प्रबंधन प्रणालियों का गहन अवलोकन किया जाएगा। यह भ्रमण केवल एक निरीक्षण नहीं होगा, बल्कि आधुनिक शहरी नियोजन और तीर्थस्थल प्रबंधन के सफल मॉडल को

समझने का अवसर प्रदान करेगा। इस अनुभव के आधार पर मध्यप्रदेश में धार्मिक स्थलों के विकास, सुविधाओं के विस्तार और व्यवस्थागत सुधार के लिए व्यवहारिक दृष्टिकोण विकसित किया जाएगा, जिससे तीर्थ पर्यटन को अधिक सुव्यवस्थित और आकर्षक बनाया जा सकेगा।

सम्मेलन में ओडीओपी, जीआई टैग उत्पादों, पारंपरिक शिल्प, कृषि एवं फूड उत्पादों को ब्रांडिंग, मार्केटिंग और निर्यात से जोड़ने पर विशेष फोकस रहेगा। उत्तरप्रदेश की ओडीओपी पहल के अनुभवों और उसके आर्थिक प्रभावों की प्रस्तुति से यह स्पष्ट होगा कि किस प्रकार स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बनाया जा सकता है। इस मंच पर दोनों राज्यों के उत्पादों की विशिष्टताओं को रेखांकित करते हुए उन्हें एक साझा ब्रांडिंग दृष्टिकोण के तहत प्रस्तुत करने की दिशा में विचार-विमर्श होगा, जिससे निर्यात संवर्धन और मूल्य संवर्धन के नए अवसर विकसित होंगे। सम्मेलन में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के बीच एमओयू हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिनके माध्यम से व्यापारिक सहयोग, औद्योगिक निवेश, कौशल विकास, हस्तशिल्प संवर्धन और पर्यटन क्षेत्र में साझेदारी को औपचारिक रूप दिया जाएगा।

असम में जोर पकड़ रहा है चुनाव प्रचार

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव के करीब आते ही राज्य की राजनीति में जुबानी जंग और तीखी हो गई है। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल के एक ताजा बयान ने राज्य के सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। गुवाहाटी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अजमल ने दावा किया कि आगामी चुनाव के बाद असम की राजनीति में मिया समुदाय का दबदबा काफी बढ़ जाएगा और वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का प्रभाव कम हो जाएगा। उनका कहना है कि चुनाव परिणामों के बाद राज्य का सत्ता संतुलन पूरी तरह बदल जाएगा। असम की राजनीति में मिया शब्द का प्रयोग बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए किया जाता है। राज्य की करीब 3.12 करोड़ की आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 34 प्रतिशत है, जिसमें से बड़ा हिस्सा बंगाली भाषी मुसलमानों का है। अजमल का यह बयान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उस पिछले विवादित बयान के जवाब के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि पिछले पांच वर्षों में उनकी सरकार ने मियाओं के हाथ-पैर तोड़े हैं और अगले पांच वर्षों में उनकी कमर तोड़ दी जाएगी। इन बयानों के बाद राज्य में ध्रुवीकरण की राजनीति और तेज होने की संभावना है। इस चुनावी समर में एआईयूडीएफ को असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का भी साथ मिल रहा है। अजमल ने जानकारी दी है कि ओवैसी 2 और 3 अप्रैल को असम के दौरे पर रहेंगे, जहां वे विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कम से कम आठ जनसभाओं को संबोधित करेंगे। खुद बदरुद्दीन अजमल इस बार बिन्नाकांडी सीट से मैदान में हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में धुबरी सीट से मिली करारी हार के बाद अजमल के लिए यह चुनाव साख की लड़ाई बन गया है।पार्टी के चुनावी इतिहास पर नजर डालें तो 2016 में एआईयूडीएफ ने 13 सीटें जीती थीं, जबकि 2021 में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर यह आंकड़ा 15 तक पहुंचा था। इस बार 2026 के चुनाव में पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। असम की सभी 126 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। इस चुनाव के परिणाम यह तय करेंगे कि असम की सत्ता की चाबी किसके हाथ में होगी।

सांप्रदायिक मुद्दों को हवा देने की चल रही है कोशिश

रूस ने पेट्रोल एक्सपोर्ट पर लगाया प्रतिबंध

अलेक्जेंडर ने ऊर्जा मंत्रालय को दिये निर्देश

मॉस्को। दुनिया भर में गहराते ऊर्जा संकट और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच रूस ने एक महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णय लिया है। रूस सरकार ने देश से पेट्रोल (गैसोलीन) के निर्यात पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने ऊर्जा मंत्रालय को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 1 अप्रैल से पेट्रोल निर्यात पर रोक लगाने का औपचारिक प्रस्ताव तैयार किया जाए। सरकारी अनुमानों के अनुसार, यह कड़ा प्रतिबंध 31 जुलाई तक प्रभावी रह सकता है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच अपनी घरेलू अर्थव्यवस्था को सुरक्षित रखना है।

रूस का यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को हिला कर रख दिया है। उप प्रधानमंत्री नोवाक ने स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया के युद्ध के कारण कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूसी ऊर्जा संसाधनों की मांग अभी भी काफी मजबूत बनी हुई है, लेकिन सरकार ने बाहरी लाभ के बजाय घरेलू जरूरतों और नागरिकों को राहत देने को प्राथमिकता दी है। इस प्रतिबंध के पीछे रूस का पिछला कड़वा अनुभव भी एक बड़ी वजह है। बीते वर्ष रूस के कई हिस्सों और उसके

नियंत्रण वाले इलाकों में पेट्रोल की भारी किल्लत देखी गई थी। उस समय रिफाइनरियों पर हुए अचानक हमलों और मांग में अप्रत्याशित वृद्धि ने स्थिति को अनियंत्रित कर दिया था। उस संकट से सबक लेते हुए इस बार प्रशासन ने पहले ही एहतियाती कदम उठाने का फैसला किया है। रूस का मानना है कि देश में फिलहाल कच्चे तेल की प्रोसेसिंग स्थिर है, लेकिन यदि निर्यात जारी रखा गया तो घरेलू बाजार पर दबाव असहनीय हो सकता है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पैदा हुए व्यवधान ने पहले ही तेल की आपूर्ति को संकट में डाल रखा है। ऐसे में दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा उत्पादकों में से एक रूस द्वारा पेट्रोल निर्यात रोकना अंतरराष्ट्रीय कीमतों को और अधिक ऊंचाई पर ले जा सकता है। हालांकि, राहत की बात यह है कि रूस ने कच्चे तेल के निर्यात पर फिलहाल कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है, जिससे कच्चा तेल बाजार में आता रहेगा। इस बीच, यूक्रेन की ओर से रूस के तेल बुनियादी ढांचे पर लगातार हो रहे हमलों ने भी मास्को की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हाल ही में दो प्रमुख रिफाइनरी संयंत्रों—सारातोव और किरीशी—को निशाना बनाया गया है, जो रूस की कुल रिफाइनिंग क्षमता का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा हैं। इन हमलों से होने वाले नुकसान की भरपाई और घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्यात पर लगाम लगाना रूस के लिए अनिवार्य हो गया था।

गौशालाओं में स्थापित किये जाएंगे गोबर गैस प्लांट

उत्तरप्रदेश सरकार ने बड़े पैमाने पर शुरू किया काम

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में हलचल पैदा कर दी है। युद्ध की इन परिस्थितियों के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बाधित होने का खतरा मंडरा रहा है। इस संभावित संकट को भांपते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर बड़े पैमाने पर काम शुरू कर दिया है। सरकार की योजना प्रदेश भर की गौशालाओं में गोबर गैस प्लांट (बायोगैस) स्थापित कर एलपीजी रसोई गैस का एक ठोस विकल्प तैयार करने की है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत उत्तर प्रदेश में संचालित सभी 7,527 गौशालाओं और गो-आश्रय स्थलों को ऊर्जा उत्पादन के केंद्रों में बदला जाएगा। वर्तमान में राज्य के इन केंद्रों में लगभग 12.39 लाख गोवंशीय पशु मौजूद हैं। अब तक इन गौशालाओं से प्राप्त गोबर का मुख्य उपयोग केवल जैविक खाद या कंपोस्ट बनाने तक सीमित था, लेकिन अब इसके एक-एक अंश का उपयोग ईंधन उत्पादन के लिए किया जाएगा। वर्तमान में 80 बड़ी गौशालाओं में बायोगैस प्लांट पूरी तरह क्रियाशील हैं, जिन्हें सफलता के मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस परियोजना को मिशन मोड पर चलाने के निर्देश दिए हैं। योजना का उद्देश्य न केवल ईंधन के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, बल्कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों को रसोई गैस की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी से राहत दिलाना भी है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी।

रणनीति के अनुसार, पहले चरण में सरकारी और संरक्षित गौशालाओं में प्लांट लगाए जाएंगे। इसके बाद दूसरे चरण में व्यक्तिगत पशुपालकों को भी इस दायरे में लाया जाएगा। आंकड़ों पर गौर करें तो प्रदेश में 6,433 अस्थायी गौशालाओं में 9.89 लाख, 518 वृहद गो-संरक्षण केंद्रों में 1.58 लाख और कान्हा व कांजी हाउस जैसे केंद्रों में हजारों गोवंश पल रहे हैं। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत भी लाखों गोवंश पशुपालकों के पास हैं, जिन्हें इस श्रृंखला से जो?ने की तैयारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि खाड़ी देशों में छिड़ा युद्ध यदि लंबा खींचता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो उत्तर प्रदेश का यह स्वदेशी विकल्प आम जनता के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच का काम करेगा। इससे न केवल कचरे का सही प्रबंधन होगा, बल्कि गांवों में ऊर्जा के सस्ते और सुलभ स्रोत उपलब्ध होंगे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान की हुई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब इंडिगो की विशाखापट्टनम से आ रही एक उड़ान को आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा। विमान में संभावित इंजन खराबी की आशंका के चलते पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए इमरजेंसी लैंडिंग का निर्णय लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान ने सुबह विशाखापट्टनम से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान सामान्य रूप से जारी थी, लेकिन दिल्ली पहुंचने से कुछ समय पहले पायलट को इंजन में तकनीकी खराबी का संकेत मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचित किया गया और इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू कर दिया गया। एयरपोर्ट प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए रनवे नंबर-28 को पूरी तरह खाली करा लिया। साथ ही दमकल की गाड़ियां, एंबुलेंस और मेडिकल टीमों को रनवे के पास तैनात कर दिया गया। इसी के साथ पूरे क्षेत्र में 'फुल इमरजेंसी' घोषित कर दी गई थी, ताकि किसी भी संभावित खतरे से निपटा जा सके। पायलट की कुशलता और ग्राउंड स्टाफ के समन्वय से विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। विमान के सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। लैंडिंग के बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और उनकी स्थिति सामान्य पाई गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इंजन में तकनीकी खराबी या संभावित इंजन फेलियर इस इमरजेंसी का कारण हो सकता है। हालांकि, विमानन अधिकारियों ने ऐसे किसी खराबी या अन्य वजह की पुष्टि नहीं की है, मामले की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

स्वास्थ्य | आयुर्वेद में बताया गया है विशेष महत्व

कई प्रकार से लाभकारी है गोल्डन शॉवर ट्री

नई दिल्ली। गोल्डन शॉवर ट्री केवल सौंदर्य बढ़ाने वाला पौधा नहीं, बल्कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण औषधीय स्रोत के रूप में जाना जाता है। जब यह पेड़ पूरी तरह खिलता है तो इसके चमकीले पीले फूलों की लंबी लड़ियां मानो सुनहरी वर्षा का दृश्य प्रस्तुत करती हैं, इसी कारण इसे गोल्डन शॉवर ट्री कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस वृक्ष के फूलों और पत्तियों में कई प्रकार के फाइटोकेमिकल्स पाए जाते हैं, जो शरीर को अनेक स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। इनमें कैम्फेरोल, राइन, फाइटोल, फिस्टुलिन और ल्यूकोपेलार्गोनिडिन टेट्रामर जैसे तत्व शामिल होते हैं, जो शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों से लड़ने में मदद करते हैं। यही कारण है कि इसके फूलों का उपयोग बुखार कम करने, सूजन घटाने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए किया जाता रहा है। आयुर्वेदिक परंपराओं में इसे प्राकृतिक औषधि के रूप में लंबे समय से अपनाया जाता रहा है। त्वचा की देखभाल के लिहाज से भी यह वृक्ष काफी उपयोगी माना जाता है। इसके फूलों का लेप या अर्क त्वचा को साफ रखने और दाग-

धब्बों को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व त्वचा को पोषण देने के साथ-साथ उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने में सहायक माने जाते हैं। इसके नियमित और संतुलित उपयोग से त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा गोल्डन शॉवर ट्री के फूलों और छाल का उपयोग पाचन से जुड़ी समस्याओं में भी किया जाता है। आयुर्वेदिक उपचारों में इसे कब्ज, पाचन तंत्र की गड़बड़ी और लीवर की सफाई के लिए उपयोगी माना गया है। इसके कुछ सक्रिय तत्व शरीर के अंदर मौजूद हानिकारक फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करते हैं, जिससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बेहतर हो सकती है और कई बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। आमतौर पर इसके औषधीय गुणों का लाभ लेने के लिए इसे सीधे खाने के बजाय इसके अर्क, चूर्ण या लेप के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। कुछ लोग इसे हर्बल चाय में मिलाकर भी पीते हैं, जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती है और इम्यून सिस्टम को मजबूती मिल सकती है। हालांकि विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि औषधीय गुणों से भरपूर होने के बावजूद इसका उपयोग किसी योग्य आयुर्वेदाचार्य की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए।

मां शारदा आशीष दरबार से निकली जावारा विसर्जन शोभायात्रा

जबलपुर। माँ श्री शारदा आशीष दरबार, शक्ति नगर, जबलपुर में स्थापित कलश ज्वारे विसर्जन की शोभायात्रा विगत दिनों दरबार प्रांगण से प्रारम्भ हुई । कलश जवारे के आगे अखण्ड ज्योति का मुख्य आकर्षण रहा। महिलाएं, दरबार प्रांगण से गुप्तेश्वर महादेव मंदिर तक गई जावरा कलश लेकर गई। तत्पश्चात् वाहनों से कलश ज्वारे विसर्जन हेतु ग्वारीघाट, नर्मदा तट तक ले जाए गए ।

कलश जवारे के साथ चलने वाली अखण्ड ज्योति भक्तों के आकर्षण का केन्द्र रही । शोभायात्रा के बाद दरबार में मां के प्रसाद भण्डारे का आयोजन हुआ।

माँ श्री शारदा आशीष दरबार व्यवस्था समिति के मुकेश कुशवाहा , मिलन मुखर्जी ,संजय बरहा, जयंत क्षीर सागर,पं. सुबोध मिश्रा, सुधांशु उपाध्याय, संतोष द्विवेदी , संतोष मिश्रा, नीरज पाण्डे ,सरबजीत तग्गड, मनीष शर्मा, मनीष विश्वकर्मा, मोहन जोशी, सौरभ तिवारी, अमर दुबे, रवि गुजर, कौशलेन्द्र महाजन, के. के. तिवारी, आदर्श तिवारी, करन ठाकुर, राकेश ठाकुर, राम सिंह, ऐल्वीन भैया, खेमराज वशिष्ठ, गगन वशिष्ठ, सुनील सोनी, सुनील राजपूत, राम शंकर दुबे, तरनप्रीत सिंह, विवेक त्रिपाठी, शिवम त्रिपाठी, रिपुंजय त्रिपाठी, बी.एल. नामदेव, श्रीमति मनजीत कौर तग्गड ,शीला मिश्रा, ज्योत्सना मुखर्जी, ममता बरहा, क्षमा त्रिपाठी, राजीव डनायक, आशीष डनायक, आरती द्विवेदी ,सीमा पासी, कृष्णा विश्वकर्मा, कल्पना महाजन, टीना ढौंडियाल ,जोशी आंटी, सिमरन कौर तग्गड , सीमा मिश्रा, मोनी पाण्डे , शीला गुजर, स्वाति गुजर, कमलेश बेरी, सुशील कुमार बेरी, पूजा डनायक , पदमा डनायक, तिलक रतलानी, विमलेश मिश्रा, प्रकाश गायकवाड़ , खुशबू गायकवाड़ ,प्रणिश भैया आदि शामिल रहे। बताया गया है कि माँ श्री शारदा आशीष दरबार में सभी के मनोरथ पूर्ण होते हैं। दूर-दूर से भक्त अपनी मन्नतें हेतु श्रद्धापूर्वक दरबार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने पहुंचते हैं।

खरगापुर हत्या मामले के आरोपियों को हुई आजीवन कारावास की सजा, कोर्ट का बड़ा फैसला

टीकमगढ़। जिले के खरगापुर में वर्ष 2016 में हुए चर्चित हत्याकांड मामले में चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश भरकुंडिया की अदालत ने अहम फैसला सुनाते हुए 18 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सभी दोषियों को मृतक कदू उर्फ अब्दुल कादिर की हत्या एवं उसके परिजनों के साथ मारपीट का दोषी पाया गया है। साथ ही सभी पर अर्थदंड भी लगाया गया है।

घटना का पूरा विवरण: अभियोजन के अनुसार, फरियादी अब्दुल गफ्फार ने 12 दिसंबर 2016 को रात 12.23 बजे पुलिस थाना खरगापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 11 दिसंबर 2016 की रात करीब 9.30 बजे इनायत अली उनके घर आए और विवाद की जानकारी दी। इसी बात को लेकर 18 आरोपी–पीर मुहम्मद, जिलानी रंगरेज, भूरे रंगरेज, चेनू रंगरेज, अहमद मऊवाले, अब्बास मऊबाले, सुवराती चौधरी, लल्ला चौधरी, हब्बी चौधरी, निशार मुसलमान, अहमद पठान, हैदर मुसलमान, रमजे मुसलमान, मुराद मुसलमान, गब्बर मुसलमान, इदरीश पठान, रिजवान मुसलमान और असलम मुसलमान– एकजुट होकर लाठी, तलवार और फर्सा लेकर मौके पर पहुंचे। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। इस दौरान सुवराती चौधरी और पीर मुहम्मद ने तलवार से कदू उर्फ अब्दुल कादिर के सिर पर घातक वार किया। वहीं लल्ला चौधरी ने मुस्तफा के हाथ पर फर्सा मारा और भूरे रंगरेज ने पप्पू सांई पर पत्थर व तलवार से हमला किया। घटना में कई अन्य लोग भी घायल हुए। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरगापुर ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में अब्दुल कादिर को जिला अस्पताल टीकमगढ़ और फिर मेडिकल कॉलेज ग्वालियर रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

हेमंत श्रीवास्तव हुए सम्मानित

समय जगत, अशोकनगर। दिल्ली शहादरा में बीते दिनों ज्योतिष महाकुंभ का आयोजन किया गया था, जिसमें शहर के ज्योतिषी हेमंत श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया है। ज्योतिष महाकुंभ का आयोजन राधा गर्ग एवं रंजीत रावत द्वारा किया गया था जिसमें अंगूठा की रेखाओं का अध्ययन कर भविष्यवाणी करने वाले हेमंत श्रीवास्तव को शील्ड प्रशस्ति पत्र एवं शॉल–श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। उनके सम्मानित होने पर नगर के गणमान्य नागरिकों, परिचितों और मित्रों ने बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

रामनवमीं के उपलक्ष्य में कराया कन्याभोज

अशोकनगर। सर्व ब्राह्मण शक्ति संगठन द्वारा रामनवमीं के उपलक्ष्य में कन्या भोज का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 50 से अधिक कन्याओं को भोजन करवाया गया। संगठन की अध्यक्ष अंजना दुबे ने बताया कि विश्व शांति हेतु संगठन द्वारा कीर्तन व शांति के लिए मंगल कामना की। संगठन की सदस्यों द्वारा कन्याओं को पर्स, हेयर बैंड, हेयर क्लिप, बिंदी, ब्रेसलेट आदि उपहार बांटे गए। इस अवसर पर सचिव वंदना पाराशर, कोषाध्यक्ष रीना बुधौलिया, उपाध्यक्ष रानी राजोरिया, रुचि शर्मा, मार्गदर्शिका डॉक्टर रजनी शुक्ला, वंदना कन्हौआ, राखी तिवारी, संगठन की सदस्य लता दुबे, सरोज शर्मा, कीर्ति लंबरदार, राम कुमारी शर्मा, मधु दुबे, रश्मि मुदगिल, रश्मि शर्मा, वर्षा शर्मा उपस्थित रहीं।

संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत आयोजित शिविरों में 83402 आवेदनों का किया निराकरण

समय जगत, टीकमगढ़। शासन के निर्देशानुसार विभिन्न जन योजनाओं/सेवाओं में हितग्राहियों को लाभ प्रदाय करने हेतु आज स्थानीय उत्सव भवन में संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय तथा जिला पंचायत सीईओ नवीत कुमार धुर्वे द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कलेक्टर श्रोत्रिय ने कहा कि सुशासन व स्वराज हेतु प्रतिबद्ध शासन द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और सेवाओं का पूरा लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय–सीमा में पहुंचाने के लिए 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक संकल्प से समाधान अभियान का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायतों/नगरीय निकायों/तहसील एवं जिला स्तर पर शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में पात्र हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। साथ ही आमजन की समस्याओं का भी निराकरण किया गया। उल्लेखनीय है कि संकल्प से समाधान अभियान 12 जनवरी 2026 से आज दिनांक तक ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, तहसीलों तथा विकासखंड स्तर पर शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉलों में 83402 आवेदन दर्ज किये गये। जिनका परीक्षण कर निराकरण किया गया। शिविरों में प्राप्त 83402 आवेदनो में से 81527 आवेदन स्वीकृत किये गये तथा 1875 आवेदन अस्वीकृत किये गये। स्वीकृत आवेदनों के हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। अभियान अंतर्गत स्थानीय उत्सव भवन में आयोजित जिला स्तरीय शिविर में वन विभाग, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, सामाजिक न्याय, आदिमजाति, एलडीएम, एनआरएलएम, कृषि, उद्यानिकी, श्रम विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से विभाग द्वारा संचालित हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी हितग्राहियों को दी गई। इसके साथ ही कार्यक्रम में पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के स्वीकृति पत्र तथा प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित नवजात बेटियों के स्वागत में बांटी गई किट और मिठाई

समय जगत हमीरपुर। सशक्त नारी समृद्ध प्रदेश की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति (फेज 5.0) के द्वितीय चरण के अंतर्गत जिले में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वासंतिक नवरात्र के अवसर पर इसकी शुरुआत करते हुए शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरीला में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी राजीव कुमार सिंह के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन (महिला कल्याण विभाग) की टीम ने 25 नवजात बच्चियों के जन्म पर उत्सव मनाया। इस दौरान बच्चियों के परिजनों को बेबी किट, मिठाई और गुलदस्ता वितरित कर बेटियों के जन्म का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मौजूद जिला समन्वयक शशि तिवारी ने कहा कि बेटियां घर की शान होती हैं। उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य का ध्यान रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। सरकार भी बेटियों के उत्थान के लिए लगातार प्रयासरत है।÷ इस अवसर पर टीम द्वारा कन्या सुमंगला योजना की विस्तृत जानकारी पंपलेट के माध्यम से दी गई। साथ ही कर्मचारियों ने लैंगिक समानता पर जागरूक करते हुए समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों–112, 181, 108, 1090, 1098, 1076–की जानकारी भी दी गई, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता मिल सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के सिद्धार्थ दीक्षित (जेंडर स्पेशलिस्ट), मधुलता और शिवबाबू (आउटरीच वर्कर) का विशेष योगदान रहा।

कस्बे में गैस आपूर्ति पटरी पर, डोर-टू-डोर सिलेंडर मिलने से उपभोक्ताओं को राहत

समय जगत, हमीरपुर। सुमेरपुर कस्बे में रसोई गैस आपूर्ति व्यवस्था अब सामान्य हो गई है। गैस एजेंसी की गाड़ियां बस्तियों में पहुंचकर उपभोक्ताओं को डोर-टू-डोर सिलेंडर उपलब्ध करा रही हैं, जिससे लोगों को काफी राहत मिल रही है। जानकारी के अनुसार, फिलहाल कस्बे में गैस संकट जैसी कोई स्थिति नहीं है। उपभोक्ताओं को बुकिंग के लगभग 25 दिनों के भीतर आसानी से सिलेंडर मिल रहा है। पहले की तरह अब फिर से एजेंसी की गाड़ियां घर-घर जाकर सिलेंडर वितरण कर रही हैं। गैस एजेंसी संचालक पंकज पालीवाल ने बताया कि आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है और सभी उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर ओटीपी सत्यापन के बाद ही सिलेंडर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कस्बे में गैस की कोई कमी नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि डोर-टू-डोर सुविधा बहाल होने से उन्हें लाइन में लगने या एजेंसी तक जाने की परेशानी से राहत मिली है।

लीपापोती के खेल से नगरपालिका की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

समय जगत, अनूपपुर। मुख्यमंत्री कार्यकाल योजना के तहत नगर के मुख्य बाजार (वार्ड क्रमांक 9 और 10) के बीच बनाई गई सड़क एक बार फिर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। करीब सवा साल पहले जिस सड़क को घटिया निर्माण के कारण उखाड़कर नए सिरे से बनाने का आदेश दिया गया था, उस पर ठेकेदार ने बिना पुराने मलबे को हटाए रातों-रात बाइंडिंग कोट डालकर मात्र आधा इंच की नई परत चढ़ा दी। इस लीपापोती के खेल ने नगर पालिका के दावों और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 78 में से 428 मीटर सड़क मिली थी खराब, दिसंबर 2024 में निर्माण के दौरान ही पत्रकार बिलाल अहमद ने सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए इसकी शिकायत नगरीय प्रशासन शहडोल को भेजी थी। इसके बाद 23 दिसंबर 2024 को एक जांच टीम गठित की गई और 27 दिसंबर को लैब रिपोर्ट सामने आई। रिपोर्ट बेहद चौंकाने वाली थी–कुल 478 मीटर सड़क में से 428 मीटर सड़क पूरी तरह मानक विहीन और घटिया पाई गई थी। मात्र 50 मीटर हिस्सा ही औसत रूप से सही मिला था। लैब रिपोर्ट के आधार पर नगर पालिका परिषद बिजुरी ने ठेकेदार अजय ताराचंद यादव को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि पूरी सड़क को उखाड़कर पुनः निर्माण कराया जाए। लेकिन विडंबना देखिए कि सवा साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सड़क नहीं उखाड़ी गई। अब मार्च 2026 में, ठेकेदार ने नियमों को ताक पर रखकर पुरानी जर्जर सड़क के ऊपर ही डामर की पतली परत चढ़ा दी। अंधेरे का फायदा और अधिकारियों की गैरमौजूदगी स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यह पूरा कार्य रात के समय किया गया, ताकि कोई विरोध न कर सके। उस वक्त मौके पर कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं था। सूत्रों से मिली सनसनीखेज जानकारी के अनुसार, शहडोल से आई जांच टीम की रिपोर्ट को प्रभावित करने के लिए पर्दे के पीछे लीपापोती का खेल जोरों पर चल रहा है।

इनका कहना है–

नगर में किसी भी प्रकार की गुणवत्ता विहीन सड़क निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। यदि कोई इस तरह का कार्य करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सहबिन पनिका अध्यक्ष

हमारे नगर में कोई भी व्यक्ति घटिया निर्माण नहीं करेगा। अगर पुनः गलत तरीके से काम लगा तो हम खुद मौके पर जाकर काम रुकवाएंगे।

प्रीति सतीश शर्मा, उपाध्यक्ष

सड़क पूरी तरह घटिया बनी है। इसे उखड़वाकर दोबारा नया निर्माण कराया जाएगा।

पवन कुमार साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी

रामनवमी पर खिरकिया में गूंजा भक्ति का सुर, भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ ने बांधा समां

समय जगत खिरकिया। रामनवमी के पावन अवसर पर खिरकिया नगर भक्ति रस में सराबोर हो गया, जब स्थानीय युवाओं द्वारा भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन ने न केवल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया, बल्कि पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण का निर्माण कर दिया। कार्यक्रम का आयोजन शैलेन्द्र बोरदे, हिमांशु गुर्जर, रवि सुरमा, रोहित भाटी, सौरभ गुर्जर, अंकित सुरमा, हर्ष मुकाती एवं ललित के नेतृत्व में किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जहां देर रात तक भक्ति गीतों और सुंदरकांड पाठ की स्वर लहरियां गूंजती रहीं। इस मौके पर बागेश्वर म्यूजिकल ग्रुप खिरकिया टीम द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ की शानदार प्रस्तुति दी गई। मधुर संगीत और भावपूर्ण गायन ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान पूरा माहौल ÷जय श्रीराम÷ के जयकारों से गूंज उठा। युवा गायक मोहित सिटोके ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में ऑक्टोपैड पर संजू नामदेव, ढोलक पर कुनाल भाई, कोरस में शर्मा जी एवं नीतेश प्रजापति भरत चौहान का विशेष सहयोग रहा। सभी कलाकारों ने समर्पण भाव से प्रस्तुति देकर आयोजन को यादगार बना दिया। आयोजन की भव्यता और अनुशासन की स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की। श्रद्धालुओं ने इसे क्षेत्र में धार्मिक एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक बताया। इस तरह के आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और युवाओं में धार्मिक आस्था के प्रति जुड़ाव बढ़ता है।

पिनेकल एकेडमी ने फहराया सफलता का परचम

समय जगत, हरदा। पिनेकल एकेडमी के विद्यार्थियों ने कक्षा पांचवीं एवं आठवी बोर्ड की परीक्षाओं में जिले की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाया है, वहीं संस्था ने शत प्रतिशत रिजल्ट के साथ इतिहास दोहराया है। पिनेकल एकेडमी के डायरेक्टर अब्दुल सईद खान ने बताया कि कक्षा आठवीं की छात्रा आस्था ओनकर ने 92.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कक्षा पांचवी में हरदा ब्लॉक स्तर पर प्रतीक्षा यादव ने 91.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि संस्था स्तर पर कक्षा आठवीं में द्वितीय स्थान कनक भाटी 91.3 प्रतिशत, तृतीय स्थान अदिति तिवारी 91 प्रतिशत एवं पांचवीं बोर्ड में संस्था स्तर पर द्वितीय स्थान परी सूर्यवंशी 91 प्रतिशत, तृतीय स्थान मानवी चावड़ा 90.25 प्रतिशत का रहा है। संस्था के प्रबंधन सहित स्टॉफ ने सभी विद्यार्थियों को श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम पर बधाई देकर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ज्ञान गंगा स्कूल हरदा में वार्षिक परीक्षा परिणाम के साथ नवनिर्मित स्टेज का किया लोकार्पण

समय जगत, हरदा। ज्ञान गंगा इंग्लिश मीडियम स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में घोषित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इसी शुभ अवसर पर विद्यालय परिसर में नवनिर्मित स्टेज का विधिवत शुभारंभ भी किया गया। मंच का उद्घाटन विद्यालय प्रबंधन एवं नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा फीता काटकर किया गया। नए स्टेज के निर्माण से विद्यालय के सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं अन्य कार्यक्रमों को नई पहचान मिलेगी। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि यह स्टेज विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने खुशी व्यक्त की और विद्यालय परिवार ने इसे विद्यालय की एक नई उपलब्धि बताया। समारोह का समापन विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के बीच हर्षोल्लास के साथ हुआ।

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा किसानों के लिए आगजनी से बचाव संबंधी जारी की गई एडवाइजरी

समय जगगत, टीकमगढ़। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशानुसार जिले के सभी थाना प्रभारियों को यह सुनिश्चित करने हेतु कहा गया है कि वे अपने–अपने थाना क्षेत्रों में आयोजित की जा रही जनचौपाल में ग्रामीणों एवं किसानों* को खेतों में फसलों में आग लगने की संभावित घटनाओं से बचाव के संबंध में जागरूक करें। इस दौरान किसानों को आवश्यक सावधानियों एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी देकर उन्हें सतर्क रहने हेतु भी प्रेरित किया जाए। इसी क्रम में किसानों के हित में पुलिस अधीक्षक द्वारा निम्नलिखित एडवाइजरी* जारी की जा रही है किसानों एवं ग्रामीणों से अपेक्षा है कि वे सभी इसमें बताए सावधानियों का पालन करेंगे। फसल कटाई के दौरान या बाद में खेतों में सूखी पराली/अवशेष को खुले में न जलाएं। खेतों के आसपास ज्वलनशील पदार्थ (सूखी घास, कचरा आदि) का अनावश्यक ढेर न लगने दें। बिजली के तारों या ट्रांसफॉर्मर के आसपास विशेष सावधानी बरतें। तेज गर्मी एवं हवा के समय खेतों में आग जलाने से पूर्णत: बचें। खेतों में पानी की व्यवस्था (टंकी/ड्रम) एवं प्राथमिक अग्निशमन साधन जैसे बाल्टी, फावड़ा आदि उपलब्ध रखें। खेतों की मेड़ों पर अग्नि–रोधी पट्टी बनाकर आग फैलने से रोका जा सकता है। बच्चों को खेतों में माचिस या आग से खेलने से रोकें। आग लगने की स्थिति में घबराएं नहीं और तुरंत आग पर काबू पाने का प्रयास करें (यदि सुरक्षित हो तो)। तत्काल नजदीकी पुलिस थाना/चौकी एवं फायर ब्रिगेड* को सूचना दें। आसपास के लोगों को सूचित कर सामूहिक रूप से आग बुझाने का प्रयास करें। तेज हवा की दिशा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित स्थान पर जाएं। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी किसानों से अपील की जाती है कि वे उपरोक्त सावधानियों का पालन करें।

शासकीय महाविद्यालय नटेरन: NSS शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने की मंदिर में कारसेवा और नदी की सफाई

नटेरन। शासकीय महाविद्यालय नटेरन के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे और पांचवें दिन सेवा और समर्पण का अनूठा संगम देखने को मिला। स्वयंसेवकों ने आध्यात्मिक पर्व मनाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। रामनवमी पर मंदिर में कारसेवा रामनवमी के पावन अवसर पर शिविर के चतुर्थ दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने स्थानीय दासखजूरी स्थित जगदीश स्वामी मंदिर में विशेष कारसेवा की। भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर की स्वच्छता और व्यवस्था में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम संयोजक देव आशीष शाक्य, प्रभारी डॉ. शैलेंद्र भावसार, समाजसेवी निरंजन सिंह रघुवंशी, बी. डी. धार्मिक, नीरज पचौरी, शरद वाल्मीकि सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे। जल संरक्षण हेतु नदी स्वच्छता अभियान शिविर के पांचवें दिन, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. डी. खरवार के नेतृत्व में श्रमदान का विशेष अभियान चलाया गया। दासखजूरी की नदी में जमी अत्यधिक काई और गंदगी को साफ किया गया। विद्यार्थियों और स्टाफ ने मिलकर नदी के जल को स्वच्छ बनाने हेतु घंटों श्रमदान किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को जल स्रोतों की स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा। इस पुनीत कार्य में प्राचार्य डॉ. बी. डी. खरवार के साथ ह्रस्-संयोजक श्री देव आशीष शाक्य, प्रभारी डॉ. शैलेंद्र भावसार, बी. डी. धार्मिक, श्री भीकम सिंह दांगी, अभिषेक शर्मा, पूनम विश्वकर्मा, नीरज पचौरी, शरद वाल्मीकि, रासेयो स्टाफ एवं बड़ी संख्या में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए।

जैकसन ग्रुप ने सौरव गांगुली के साथ मिलकर सतत विकास की दिशा में बढ़ाया कदम

नई दिल्ली। भारत की जानी-मानी ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी- जैकसन ग्रुप, पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान और जाने-माने लीडर सौरव गांगुली के साथ मिलकर बेहतर कल की ओर कदम बढ़ा रही है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब भारत तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके जरिए जैकसन यह सुनिश्चित करता है कि वह इनोवेशन, स्केल और सस्टेनेबल सॉल्यूशंस के जरिए देश के ऊर्जा बदलाव में बेहतर भूमिका निभा रहा है। आठ दशकों से ज्यादा समय से जैकसन ग्रुप ने हमेशा भरोसे और इनोवेशन के दम पर अपनी पहचान बनाई है। सौरव गांगुली की लीडरशिप और नए तरीके अपनाने की क्षमता से प्रेरित होकर, कंपनी अब अपनी पहचान को और मजबूत करने पर काम कर रही है, ताकि वह आने वाले समय के लिए तैयार ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े समाधान देने में एक भरोसेमंद साथी बनी रहे। इस साझेदारी के तहत सौरव गांगुली जैकसन ग्रुप के प्रमुख ब्रांड कैंपेन और खास पहलों का हिस्सा होंगे। इसके जरिए कंपनी स्वच्छ और सतत ऊर्जा के अपने विज़न को और ज्यादा लोगों तक पहुँचाने का काम करेगी। इस मौके पर बोलते हुए, जैकसन ग्रुप के चेयरमैन समीर गुप्ता ने कहा, हमें जैकसन परिवार में दादा का स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है। सौरव गांगुली को लीडरशिप, मजबूती और बेहतरीन प्रदर्शन का जीवंत उदाहरण हैं और ये सभी मूल्य हमारी सोच से बखूबी मेल खाते हैं। यह साझेदारी हमारे उस विश्वास को दर्शाती है, जिसमें हम हमेशा आगे रहने और लगातार बेहतर देने पर जोर देते हैं। हमें भरोसा है कि उनकी पहचान और विश्वसनीयता से हमारे ब्रांड को मजबूती मिलेगी और हमारे सस्टेनेबल सॉल्यूशंस भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में तेजी से अपनाए जाएँगे। उन्होंने आगे कहा, हमारी ग्रोथ मजबूत लीडरशिप पर आधारित है, जिसमें वाइस चेयरमैन सुंदीप गुप्ता और वाइस चेयरमैन एवं ग्लोबल सीईओ (जैकसन ग्रीन) बिकेश ओगरा का अहम् योगदान है। इसके साथ ही नई पीढ़ी भी ग्रुप को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस साझेदारी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, सौरव गांगुली ने कहा, जैकसन का दृष्टिकोण डिस्ट्रीब्यूटेड पावर, सोलर एनर्जी, ग्रीन फ्यूल और इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे- बिजली, मेट्रो, सिविल और पानी, पूरी वैल्यू चेन में फैला

हुआ है, जो आज के समय के हिसाब से बेहद प्रासंगिक और असरदार है। ऐसे ब्रांड के साथ जु?ना मेरे लिए खुशी की बात है, जो भारत के ऊर्जा बदलाव और एक स्वच्छ व हरित भविष्य की दिशा में अहम् योगदान दे रहा है। यह पहल जैकसन ग्रुप के उस अद्वितीय बिजनेस मॉडल को और मजबूती देती है, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग से लेकर प्रोजेक्ट डेवलपमेंट, ईपीसी और ओ एंड एम सर्विसेस शामिल हैं। भविष्य की अपनी योजना के तहत कंपनी लोगों और तकनीक पर भी लगातार ध्यान दे रही है, ताकि लंबे समय तक बेहतर और सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके।

पूनिया और बेदी को मिली नई जिम्मेदारी

हरियाणा भाजपा ने स्थापना दिवस और आंबेडकर जयंती कार्यक्रमों के लिए बनाईं समितियां

पंचकूला। भाजपा ने हरियाणा में आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रमों के संचालन हेतु दो विशेष कार्यक्रम समितियों का गठन किया है। भाजपा के स्थापना दिवस और भीम राव आंबेडकर की जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों के लिए समिति बना संयोजक नियुक्त किए हैं। स्थापना दिवस कार्यक्रम समिति के लिए प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया को संयोजक और भीम राव आंबेडकर जयंती कार्यक्रम समिति के लिए प्रदेश महामंत्री एवं सरकार में मंत्री कृष्ण बेदी को संयोजक बनाया गया हैं। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली की ओर से की गई है। प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने बताया कि विभिन्न वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों को समिति में शामिल कर उन्हें अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई हैं। समिति में संयोजक और सदस्यों के रूप में कई अनुभवी कार्यकर्ताओं को स्थान दिया गया है, जो आगामी कार्यक्रमों

के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। छह अप्रैल को भाजपा स्थापना दिवस समिति में संयोजक के रूप में प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया के अलावा चार अन्य नेताओं को सदस्य के रूप में जिम्मेदारी दी गई है, जिसमें प्रदेश सचिव गार्गी कक्क?, प्रदेश सचिव राहुल राणा, जिला प्रभारी मुकेश गौड़ और पूर्व जिला अध्यक्ष बलदेव ग्रोहा को सदस्य बनाया गया है। वहीं 14 अप्रैल को भीम राव आंबेडकर जयंती के कार्यक्रम हेतु बनाई गई समिति में मंत्री एवं प्रदेश महामंत्री कृष्ण बेदी को संयोजक नियुक्त करने के अलावा एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व मंत्री अनूप धानक, एससी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री मक्खन सिंह और राजकुमार कटारिया को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।, यह कदम आगामी कार्यक्रमों और अभियानों को व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इससे संगठनात्मक कार्यों में गति आएगी और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

सार-समाचार

टोल प्लाजा पर एक अप्रैल से टोल दरों में पांच फीसदी बढ़ोतरी की है संभावना

फरीदाबाद। गदपुरी टोल प्लाजा पर एक अप्रैल से टोल की दरों में करीब पांच फीसदी की बढ़ोतरी होने की संभावना है जिससे दिल्ली आगरा नेशनल हाईवे पर सफर करना आने वाले दिनों में महंगा हो सकता है। गदपुरी टोल प्लाजा के प्रबंधक अनिल कुमार ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि टोल की कीमतों में पांच प्रतिशत तक का इजाफा संभावित है हालांकि दरों में सटीक बदलाव भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई की ओर से आधिकारिक सूची जारी होने के बाद ही पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल टोल प्लाजा पर 31 मार्च तक की प्रभावी पुरानी दरों के अनुसार ही शुल्क वसूला जाएगा। जिसके तहत कार और जीप जैसी छोटी गाड़ियों के लिए एक तरफ का सफर 125 रुपये और वापसी का 185 रुपये निर्धारित है। इसी तरह एलसीवी और मिनी बस के लिए 195 और 290 रुपये जबकि बस और ट्रक के लिए 400 और 600 रुपये का शुल्क लिया जा रहा है। भारी वाहनों और विशालकाय ट्रकों के लिए यह दरें 615 से लेकर 1170 रुपये तक हैं। प्रबंधक ने यह भी साफ किया है कि स्थानीय गैर व्यावसायिक वाहनों के लिए मासिक पास की सुविधा फिलहाल 350 रुपये में उपलब्ध है लेकिन नए प्राइस आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह साफ होगी।

ईएसआई अस्पताल सेक्टर-8 को मिली एंबुलेंस

फरीदाबाद। सेक्टर-8 स्थित ईएसआई अस्पताल में शुक्रवार को स्वास्थ्य सेवाओं को नया विस्तार मिला। मेवला महाराजपुर स्थित ऐलो फिक इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत अस्पताल को एक अत्याधुनिक एंबुलेंस, वाटर कूलर और आरओ सिस्टम भेंट किया। इस पहल से अस्पताल में आने वाले हजारों श्रमिकों और क्षेत्रीय मरीजों को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में कंपनी के सीईओ कमलेश कौल, एचआर एजीएम राजेश राजपूत, कपिल शर्मा और अजय गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे। अस्पताल की ओर से मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. शालिनी किशोर और सिविल सर्जन डॉ. पूजा भारद्वाज ने कंपनी प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

टेबल टेनिस चैंपियनशिप में वत्सल ने जीता रजत

फरीदाबाद। गुजरात के गांधीधाम में शुक्रवार को संपन्न हुई राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में फरीदाबाद के वत्सल डुकलान ने शानदार खेल दिखाते हुए रजत पदक अपने नाम कर लिया। वत्सल, प्रतियोगिता की शुरुआत से ही लय में दिखे। पहले लीग मैच में उन्होंने सत्यनारायण को 3-0 से हराया जबकि दूसरे मुकाबले में उन्होंने त्रिजल वोहरा को 3-2 से हराने में सफलता पाई। क्वार्टर फाइनल में वत्सल बंगाल के हिमोन कुमार को 3-1 से हराने में सफल रहे। वहीं सेमी फाइनल में उन्होंने महाराष्ट्र के निलय पाटेकर को 3-2 से हराया। इसके बाद फाइनल में उन्हें विवान दवे से रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। बता दें कि पिछले वर्ष इसी अंडर- 15 कैटेगरी में वत्सल ने कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल की थी।

मंडियों में पर्याप्त भंडारण व्यवस्था की जाए सुनिश्चित : डीसी

फरीदाबाद। रबी विपणन सीजन 2026-27 के तहत गेहूं और सरसों की खरीद को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बैठक में लिंकेज एवं स्टोरेज प्लान की समीक्षा करते हुए डीसी आयुष सिन्हा ने निर्देश दिए कि मोहना और बल्लभगढ़ मंडियों में अधिक आवक को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त भंडारण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एफसीआई एवं हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के गोदामों का समुचित उपयोग किया जाए व जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त भंडारण की व्यवस्था भी की जाए। साथ ही परिवहन एवं उठान में किसी प्रकार की देरी न हो, निविदा शर्तों के अनुसार वाहनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डीसी आयुष सिन्हा ने सरकारी खरीद एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत किसानों को ही गेट पास जारी किए जाएं।

निगम ने इंदिरापुरम में शुरू किया निर्माण कार्य

इंदिरापुरम। न्यायखंड एक में सुपरटेक आइकॉन सोसायटी के पास नगर निगम ने शुक्रवार को नाले का निर्माण फिर से शुरू कर दिया है। खराब रास्ते से गुजरने वाले लोगों को अब राहत मिलने की उम्मीद नजर आ रही है। खबर का संज्ञान लेकर अधिकारियों ने फिर से काम शुरू कराया है। नगर निगम ने सीवर लाइन के लिए सड़क को जगह-जगह से खोद कर टूटी-फूटी हालत में छोड़ दिया था।

हरियाणा में गरीबों को पढ़ाने वाले 334 प्राइवेट स्कूलों के लिए 13.88 करोड़ रुपये हुए जारी

समय जगत, चंडीगढ़। प्रदेश सरकार ने नियम 134 ए के तहत गरीबों को पढ़ाने वाले सात जिलों के निजी स्कूलों के लिए 13.88 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। अंबाला, फतेहाबाद, गुरुग्राम, कैथल, महेंद्रगढ़, पंचकूला और रोहतक के 334 स्कूलों को फीस की प्रतिपूर्ति की जाएगी। प्राइवेट स्कूल संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने बकाया राशि जारी करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा का आभार जताते हुए बाकी जिलों का पैसा भी जल्द जारी करने की मांग की है। शिक्षा विभाग पहले ही नियम 134 के तहत बच्चों को पढ़ाने वाले निजी स्कूलों को फीस की प्रतिपूर्ति के लिए 30 करोड़ रुपये स्वीकृत कर चुका है। शैक्षणिक सत्र 2015-16, 2016-17 और 2017-18 के लिए नियम 134-ए के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित निजी स्कूलों को दूसरी से पांचवीं तक के लिए 200 रुपये प्रति छात्र की दर से और कक्षा छठी से आठवीं तक के छात्रों के लिए 300 रुपये प्रति छात्र की दर से प्रतिपूर्ति की जाएगी। शहरी क्षेत्रों में दूसरी से पांचवीं तक 300 रुपये प्रति छात्र और छठी से आठवीं तक 400 रुपये प्रति छात्र के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2018-19 से 2020-21 के लिए गांवों में स्थित स्कूलों को दूसरी से पांचवीं तक के छात्रों के लिए 300 रुपये और छठी से आठवीं तक के छात्रों के लिए 500 रुपये प्रति छात्र दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक

12-सूत्रीय कार्ययोजना को दी गई स्वीकृति

समय जगत, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में बढ़ते राजस्व विवादों को खत्म करने के साथ ही विभागीय भ्रष्टाचार में कमी लाने तथा जनता को साफ-सुथरी व पारदर्शी त्वरित सेवाएं प्रदान करने के लिए 12 सूत्रीय कार्ययोजना तैयार की है। विकास परियोजनाओं को पूरा करने में जमीन की महंगी कीमतें और जमीन की कमी बहुत बड़ी समस्या है। प्रदेश सरकार ने 12 सूत्रीय कार्ययोजना की पहली कड़ी के रूप में विकास परियोजनाओं के लिए जमीन की कमी को दूर करने का बड़ा निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत एक हजार करोड़ रुपये के प्रारंभिक बजट आवंटन से समर्पित भूमि बैंक की स्थापना होगी। यह भूमि बैंक ठीक उसी तरह से काम करेगा, जिस तरह से बैंक खातों में धन के आगमन और निकासी की व्यवस्था है। प्रदेश सरकार समर्पित लैंड बैंक से अपनी जरूरत की जमीन का इस्तेमाल करती रहेगी और नई जमीन किसानों से उनके बाजार भाव पर खरीदती रहेगी। राज्य सरकार ने चूंकि जमीन अधिगृहण की प्रक्रिया पर रोक लगा रखी है, इसलिए किसानों से बाजार भाव पर जमीन खरीदने की व्यवस्था की गई है।

हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल के कई प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुहर लगाते हुए उन्हें साल 2026-27 के बजट में शामिल किया है। 12 सूत्रीय कार्ययोजना के अंतर्गत राज्य सरकार ने स्वामित्व योजना के तहत सभी गांवों के पूरे और स्पष्ट भूमि रिकार्ड तैयार कर ग्रामीणों को उपलब्ध कराने का अहम निर्णय लिया है। तेजी से बदलती तकनीक में राजस्व अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय राजस्व प्रशिक्षण संस्थान बनाने पर सहमति बनाई जा चुकी है। राजस्व न्यायालयों में मामलों के निपटान एवं उनकी निगरानी की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए राज्य सरकार ने आइटी सक्षम, कागज रहित राजस्व न्यायालय केस प्रबंधन प्रणाली लागू करने का फैसला किया है। इंतकाल मंजूर करने की प्रक्रिया को भी पूरी तरह से स्वचालित बनाने की सरकार की योजना है। प्रदेश सरकार करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से एक राज्य स्तरीय अत्याधुनिक डेटा सेंटर की स्थापना करेगी। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल के अनुसार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक नई स्वचालित स्टांप शेयर स्थानांतरण प्रणाली से शहरी निकायों व पंचायतों को उनका दो प्रतिशत स्टांप शुल्क सीधे उनके खातों में देने की व्यवस्था को मंजूर क दिया है। सभी शहरी क्षेत्रों के कैडस्ट्राल नक्शों (भूमि मानचित्र) को अपडेट किया जाए। प्रदेश सरकार ने राज्य की आपदा तैयारी को नई मजबूती देने के लिए हरियाणा राज्य आपदा मोचन बल के गठन की योजना बनाई है। इसमें 1149 कर्मचारी शामिल होंगे। राज्य के अग्निवीरों को इस बल में शामिल करने में प्राथमिकता दी जाएगी। अग्नि सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र जारी करने व उनके नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने की योजना है। जिला गुरुग्राम में दो और फरीदाबाद, पंचकूला, अंबाला, सोनीपत, पानीपत, रेवाड़ी, पलवल तथा नूंह में एक-एक नया फायर स्टेशन स्थापित किया जाएगा। राज्य सरकार ने साल 2027-28 के अंत तक फरीदाबाद व पलवल को बाढ़ मुक्त जिले बनाने के लिए तकनीक आधारित योजना लागू करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री मुफ्त इलाज योजना के तहत कई सर्जरी हुईं मुफ्त

गुरुग्राम। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख्यमंत्री मुफ्त इलाज योजना (एमएमआईवाई) के तहत राज्य के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को सर्जरी और इलाज की मुफ्त सुविधा दी जाती है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, इस योजना का लाभ हरियाणा के निवासियों को मिलेगा, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही विशेष पैकेज प्रोग्राम में सर्जरी की सुविधा सिर्फ हरियाणा के निवासियों के लिए है। दस्तावेजों के मुताबिक, योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की सर्जरी पूरी तरह निशुल्क की गई हैं। इनमें नाक, कान और गले से जुड़ी कई जटिल सर्जरी जैसे एंडोस्कोपिक डीसीआर, टायम्पैनोप्लास्टी, मास्टॉइडेक्टॉमी, साइनस जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। इसके अलावा नाक की हड्डी और मैक्सिला फ्रैक्चर की सर्जरी, सिस्ट हटाने की प्रक्रिया और बच्चों व वयस्कों की अन्य आवश्यक सर्जरी भी मुफ्त की जा रही हैं। योजना के तहत मरीजों को सर्जरी से पहले की जांच, ऑपरेशन के दौरान की दवाइयां, अस्पताल में भर्ती रहने का खर्च और उपचार से जुड़ी आवश्यक सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। हालांकि, कुछ विशेष उपकरण जैसे इम्प्लांट या प्रोस्थेसिस इस योजना में शामिल नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में इलाज को सुलभ, किफायती और पारदर्शी बनाना है।

दिल्ली पुलिस ने टिल्लू गैंग के शूटर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने बवाना के हरेवली गांव में गैंगवार के दौरान एक दुकानदार की गोली मारकर हत्या करने वाले टिल्लू ताजपुरिया गैंग के एक शूटर को बिहार से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दरियापुर निवासी आकाश उर्फ बिट्टू के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे बिहार के बेगूसराय से गिरफ्तार किया, जहां वह पहचान छिपाकर रह रहा था। जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि 19 मार्च की शाम बवाना थाना पुलिस को हरेवली गांव में गोलीबारी की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि बाइक सवार तीन बदमाशों ने परचून की दुकान चलाने वाले रवि भारद्वाज पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। इस घटना में रवि के साथ उसके पिता अनिल भारद्वाज, उसका 8 वर्षीय भांजा और पड़ोस में रहने वाला राजकुमार घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने सभी को महर्षि वाल्मीकि अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने रवि को मृत घोषित कर दिया,

जबकि अन्य का इलाज जारी रहा। बवाना पुलिस ने जांच के बाद हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया। जांच में सामने आया कि रवि हाल ही में जेल से बाहर आया था और पिछले 15 दिनों से दुकान चला रहा था। वह गोगी गैंग से जुड़ा हुआ था। गैंगवार की आशंका को देखते हुए पुलिस ने टिल्लू गैंग पर वारदात का शक जताया। नारकोटिक्स सेल के निरीक्षक गौरव चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने करीब 650 सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसके बाद आकाश की पहचान हुई। तकनीकी जांच से उसके बिहार भागने की जानकारी मिली। करीब दो हजार किलोमीटर का सफर तय कर पुलिस ने उसे बेगूसराय से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 21 वर्षीय आकाश टिल्लू ताजपुरिया गैंग का सक्रिय सदस्य और शूटर है। उसके माता-पिता का निधन हो चुका है और वह अपनी दादी के साथ रहता है, जो एमसीडी में सफाईकर्मी हैं। प्रारंभिक पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि एक जन्मदिन की पार्टी में सह-आरोपियों से मुलाकात के बाद वह गैंग में शामिल हुआ।

यमुना की स्थिति में सुधार के लिये शुरू हुआ काम, दिल्ली के जल मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली। पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान दिल्ली जल बोर्ड से जुड़ी कैग रिपोर्ट ने यमुना की हालत और शहर के पानी-सीवर सिस्टम की खामियों को उजागर किया है। विधानसभा में रिपोर्ट पर चर्चा के बाद सरकार ने सुधार के लिए एक्शन मोड में आने का दावा किया है। यमुना की खराब हालत और पानी-सीवर व्यवस्था की कमजोरियों को लेकर कैग रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 200 एमजीडी से ज्यादा बिना ट्रीटमेंट का सीवेज सीधे यमुना में जा रहा है, जबकि 1000 से अधिक कॉलोनियां अब भी सीवर नेटवर्क से बाहर हैं। इस मुद्दे पर जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने माना कि वर्षों से चली आ रही व्यवस्थागत कमियों के कारण हालात बिगड़े हैं, लेकिन अब सरकार ने सुधार के लिए ठोस और समयबद्ध योजना पर काम शुरू कर दिया है। मंत्री ने कहा कि दिल्ली को करीब 1200 एमजीडी पानी की जरूरत है, जबकि सप्लाई लगभग 1000 एमजीडी ही हो रही है। इसके अलावा नॉन-रेवेन्यू वाटर लॉस 45 से 53 फीसदी तक पहुंच गया है, जो सिस्टम की बड़ी कमजोरी को दिखाता है। करीब 30 लाख घरों में नियमित जल कनेक्शन नहीं होने से समस्या और बढ़ रही है। मंत्री ने कहा कि यमुना की सफाई का सबसे बड़ा रास्ता बिना ट्रीटमेंट वाले सीवेज को रोकना है। इसके लिए 35 नए और अपग्रेडेड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे और ट्रीटमेंट क्षमता 1500 एमजीडी तक बढ़ाई जाएगी। नजफगढ़ नाले समेत बड़े नालों का इन-सीटू ट्रीटमेंट भी योजना में शामिल है। उन्होंने दावा किया कि अगले 2 से 2.5 साल में ट्रीटमेंट क्षमता जरूरत से ज्यादा हो जाएगी। सीवर नेटवर्क को लेकर भी सरकार ने बड़ा लक्ष्य रखा है। अभी करीब 20 लाख घर

इससे बाहर हैं। सरकार 1799 अनधिकृत कॉलोनियों तक सीवर लाइन पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। पिछले एक साल में 180 किलोमीटर से ज्यादा नई लाइन बिछाई गई है और 400 से अधिक कॉलोनियों में काम जारी है। सेप्टिक टैंक सिस्टम में गड़बड़ियों को खत्म करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड नई पारदर्शी व्यवस्था ला रहा है। इसमें डिजिटल बुकिंग और अपने टैंकर शामिल होंगे। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भी कैग रिपोर्ट के अहम बिंदु सदन में रखे। उन्होंने बताया कि जल नीति का अभाव, परियोजनाओं में देरी, भूजल प्रबंधन की कमी और करीब 4988 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान जैसे गंभीर मुद्दे सामने आए हैं। अध्यक्ष ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि रिपोर्ट पर तय समय में एक्शन टेकन नोट दें, ताकि संबंधित समितियां जांच शुरू कर सकें। दिल्ली के सरकारी विश्वविद्यालयों की हालत पर कैग रिपोर्ट ने कई चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं। कुछ विश्वविद्यालयों की हालत बेहद खराब है। दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी आज भी एक स्कूल की बिल्डिंग में चल रही है, जबकि तीन विश्वविद्यालयों में कुल मिलाकर केवल तीन छात्र ही दाखिल हैं। पिछले साल भी यह संख्या सिर्फ 20 थी। इसी तरह दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी सीमित कमरों में चल रही है और वहां पढ़ने वाले छात्रों के भविष्य को लेकर भी स्पष्टता नहीं है। विधानसभा में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि रिपोर्ट से साफ है कि पिछले वर्षों में उच्च शिक्षा व्यवस्था में गंभीर गड़बड़ियां रही हैं। दिल्ली विधानसभा में 2018 से 2023 के बीच विश्वविद्यालयों के कामकाज पर आई कैग रिपोर्ट को लेकर सरकार ने बड़ा खुलासा किया। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सदन में कहा कि रिपोर्ट ने विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली, नीतियों और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। रिपोर्ट में वित्तीय कुप्रबंधन, मानव संसाधन की कमी और अकादमिक स्तर पर कमजोरियों को साफ तौर पर उजागर किया गया है। कई फैसले बिना योजना के लिए गए, जिनका असर आज भी दिख रहा है। दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि पॉलिटेक्निक संस्थानों को इसमें शामिल तो कर दिया गया, लेकिन इससे छात्रों और शिक्षकों के सामने अनिश्चितता पैदा हो गई। कई जगह छात्र और शिक्षक दोनों विरोध कर रहे हैं। दिल्ली में एडमिशन सिस्टम रहा भ्रष्ट- कैग रिपोर्ट से पता चला कि 16 साल तक एडमिशन सिस्टम सही तरीके से काम नहीं किया। न स्पष्ट एडमिशन पॉलिसी थी, न माइग्रेशन का सिस्टम। पांच साल तक विश्वविद्यालयों के ऑडिटेड अकाउंट्स भी सदन में पेश नहीं किए गए। इसके अलावा फंड के गलत इस्तेमाल और मनमानी नियुक्तियों के मामले भी सामने आए हैं।

संपादकीय

ऊर्जा संरक्षण की दिशा में प्रभावी प्रयास हैं जरूरी

ऊर्जा संरक्षण की दिशा में प्रभावी प्रयास जरूरी हैं। एक आकलन के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है। ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। इस तरह के प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण होगा, जो जीवन की सुगमता का आधार बनेगा।

आधुनिक भारत की नई उड़ान है नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

नजरिया

देश के पांच सबसे बड़े एयरपोर्ट होगा। सबसे पहले, यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार और निवेश के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करेगा। अभी तक दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर अत्यधिक दबाव रहता है, लेकिन जेवर एयरपोर्ट उस दबाव को कम करेगा और क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। इससे निर्यात, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। दूसरा, यह परियोजना रोजगार के विशाल अवसर पैदा करेगी। निर्माण चरण से लेकर संचालन तक लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आसपास के क्षेत्रों–जैसे ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़–में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। तीसरा, यह एयरपोर्ट मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी' का केंद्र बनेगा। एक्सप्रेसवे, मेट्रो और रेल नेटवर्क से जुड़कर यह क्षेत्र एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होगा। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को अपने उत्पाद देश-विदेश तक पहुंचाने में आसानी होगी।

सौरभ वार्ष्णेय

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और पूरे भारत की विकास यात्रा का एक बड़ा आधार बनने जा रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इसके माध्यम से प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाई मिलेगी। इस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान माना जा रहा है। इस विकास से प्रदेश का ही नहीं देश का विकास भी संभव हो सकेगा? देश की तरक्की में कम्युनिकेशन यानी यातायात को सुगम बनाना स्वाभाविक ही वह क्षेत्र और देश स्वयं तरक्की के पंख लगा लेता है। आज उसी अध्याय में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को बीमारू' छवि से बाहर निकालेगा। प्रदेश की छवि में चार चांद लगेंगे। जैसा की बताया जा रहा है अप्रैल के अंत में फ्लाइट्स शुरू होने के बाद यह देश का पांचवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा। चारों फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा। 5000 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल में एयरपोर्ट का विस्तार होगा। पहले फेज के बाद इस एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता करीब 1.2 करोड़ होगी। फाइनल फेज पूरी होने के बाद यह 7 करोड़ से अधिक यात्री क्षमता वाला एयरपोर्ट होगा। उड़ानें शुरू होने के बाद तेजी से बढने की उम्मीद है। भविष्य का सबसे बड़ा एविएशन हब बनने की पूरी क्षमता रखता है। इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को बीमारू' छवि से बाहर निकालकर विकसित प्रदेश' की दिशा में ले जाने की क्षमता रखता है। और जब देश का सबसे बड़ा राज्य आर्थिक रूप से सशक्त होगा, तो स्वाभाविक है कि भारत की समग्र प्रगति भी तेज होगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) का उद्घाटन होने के बाद अब अप्रैल माह के अंत तक उड़ाने शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 65 शहरों के लिए उड़ान शुरू किए जाने का दावा है। पहले चरण में देश के 10 शहरों के लिए सेवा शुरू होगी। शुरुआत में केवल घरेलू और कार्गो उड़ानें ही संचालित होंगी। नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही यूपी पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बन गया है। वैसे तो देश में एयरपोर्ट अलग-अलग मानकों के आधार पर तय किए जाते हैं। इनमें यात्री क्षमता, क्षेत्रफल और उड़ानों की संख्या शामिल होती है। देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट के

आधार पर सबसे बड़ा दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। वहीं, क्षेत्रफल के लिहाज से हैदराबाद एयरपोर्ट सबसे बड़ा है। उड़ानों की दृष्टि से सबसे बड़ा एयरपोर्ट दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट है। जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इसे सबसे बड़ा माना जाएगा। देश के पांच सबसे बड़े एयरपोर्ट होगा। सबसे पहले, यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार और निवेश के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करेगा। अभी तक दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर अत्यधिक दबाव रहता है, लेकिन जेवर एयरपोर्ट उस दबाव को कम करेगा और क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। इससे निर्यात, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। दूसरा, यह परियोजना रोजगार के विशाल अवसर पैदा करेगी। निर्माण चरण से लेकर संचालन तक लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आसपास के क्षेत्रों–जैसे ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़–में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। तीसरा, यह एयरपोर्ट मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी' का केंद्र बनेगा। एक्सप्रेसवे, मेट्रो और रेल नेटवर्क से जुड़कर यह क्षेत्र एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होगा। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को अपने उत्पाद देश-विदेश तक पहुंचाने में आसानी होगी।चौथा, विदेशी निवेश को आकर्षित करने में यह अहम भूमिका निभाएगा। जब वैश्विक कंपनियां बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देखती हैं, तो वे निवेश के लिए अधिक इच्छुक होती हैं। इससे मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों को मजबूती मिलेगी। हालांकि, विकास के इस मॉडल में कुछ चुनौतियां भी हैं–जैसे पर्यावरण संतुलन और स्थानीय लोगों के पुनर्वास के मुद्दे। इनका संवेदनशील और संतुलित समाधान जरूरी है, ताकि विकास समावेशी और टिकाऊ बन सके। उत्तर प्रदेश लंबे समय से अपनी विशाल जनसंख्या, कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था और सीमित औद्योगिक विस्तार के कारण विकास की चुनौतियों से जूझता रहा है। ऐसे में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण न केवल एक बुनियादी ढांचा परियोजना है, बल्कि यह राज्य की आर्थिक तस्वीर बदलने की क्षमता रखने वाला ऐतिहासिक कदम है।सबसे पहले, यह एयरपोर्ट क्षेत्रीय और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। दिल्ली-एनसीआर के बढ़ते दबाव को कम करते हुए यह नया हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन और निवेश को आकर्षित करेगा। जब दुनिया के बड़े शहरों से सीधी उड़ानें जुड़ेंगी, तो विदेशी कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश करना अधिक आसान और लाभदायक होगा।दूसरा महत्वपूर्ण पहलू रोजगार का है। एयरपोर्ट के निर्माण से लेकर उसके संचालन तक लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। होटल, परिवहन, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खुलेंगी। आसपास के क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्योगों को भी गति मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।तीसरा, यह परियोजना औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के तहत विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों को इस एयरपोर्ट से सीधा लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में यह क्षेत्र तेजी से उभर सकता है। हालांकि, हर बड़े विकास के साथ चुनौतियां भी आती हैं। भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के पुनर्वास जैसे मुद्दों को संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ संभालना होगा। यदि इन पहलुओं की अनदेखी हुई, तो विकास का यह मॉडल असंतुलित हो सकता है। यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि आर्थिक पुनर्जागरण का माध्यम बन सकता है। यदि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर इसे योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं, तो यह राज्य को न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर नई पहचान दिला सकता है।

उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि उत्तर भारत के लिए विकास का नया इंजन बनने जा रहा है।सबसे बड़ी विशेषता इसकी वृहद क्षमता और चरणबद्ध विस्तार योजना है। पूर्ण रूप से विकसित होने पर यह एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल होगा। शुरुआत में ही इसकी रनवे क्षमता और यात्री संभालने की व्यवस्था इसे भविष्य के दबाव के लिए तैयार बनाती है। अहम विशेषता है इसकी बेहतरीन कनेक्टिविटी। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बड़े हिस्सों को सड़क, रेल और मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेगा। इससे न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि व्यापार और उद्योग को भी नई गति मिलेगी। अन्य खासियत है इसका ग्रीन और सस्टेनेबल डिजाइन। यह भारत का पहला ऐसा एयरपोर्ट बनने की दिशा में है, जो पूरी तरह से नेट ज़ीरो एमिशन के लक्ष्य को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। सोलर एनर्जी, जल संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण इसे भविष्य के एयरपोर्ट्स का मॉडल बनाते हैं। इसके अलावा, यह एयरपोर्ट कार्गो हब के रूप में भी उभरेगा। कृषि, और निर्यात आधारित उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी। इससे स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सामाजिक दृष्टि से भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। क्षेत्र में रोजगार सृजन, शहरीकरण और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे आसपास के जिलों का समग्र विकास संभव होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना नहीं, बल्कि नए भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक है। यदि इसे समयबद्ध और संतुलित तरीके से पूरा किया गया, तो यह उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश की आर्थिक उड़ान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

मध्य पूर्व में युद्ध और भारत की ऊर्जा सुरक्षा

देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

पश्चिम एशिया में अमेरिका, इज़राइल और ईरान से जुड़े चल रहे संघर्ष के वैश्विक प्रभाव हैं। भारत में इसका असर पहले से ही दिखाई देने लगा है, जहाँ खाना पकाने वाली गैस की घबराहट में खरीदारी और कालाबाज़ारी की घटनाएँ सामने आई हैं, जबकि सरकार ने आश्वासन दिया है कि पर्याप्त भंडार होने के कारण फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है। हालांकि, इससे जो बड़ा मुद्दा उभरकर सामने आता है, वह है भारत की ऊर्जा सुरक्षा। इस संघर्ष ने नागरिकों को देश की ऊर्जा आवश्यकताओं, आपूर्ति की कमजोरियों और बाहरी स्रोतों पर निर्भरता के प्रति अधिक जागरूक किया है। वर्षों से भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने और वैकल्पिक ऊर्जा में निवेश करने के प्रयास कर रहा है। इनमें सौर, पवन, ज्वारीय, परमाणु और जलविद्युत ऊर्जा शामिल हैं, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्र में। ये पहल जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने की दीर्घकालिक रणनीति को दर्शाती हैं। हम अपनी अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर शीघ्र संक्रमण की आवश्यकता के प्रति लगातार जागरूक हो रहे हैं। इस संकट ने कुछ महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को भी उजागर किया है, जैसे होर्मुज़ जलडमरूमध्य का रणनीतिक महत्व, जहाँ से विश्व के लगभग पाँचवें हिस्से के तेल की आपूर्ति और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस का परिवहन होता है। इस महत्वपूर्ण मार्ग में किसी भी प्रकार का व्यवधान वैश्विक ऊर्जा संकट को जन्म दे सकता है, जिसका विशेष प्रभाव विकासशील देशों पर पड़ेगा।

भारत में ऊर्जा सुरक्षा को अक्सर पेट्रोलियम, तेल और स्नेहक में आत्मनिर्भरता की कमी के संदर्भ में समझा जाता है। भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकताओं का लगभग 82 प्रतिशत आयात करता है, जिससे वह विश्व के सबसे बड़े आयातकों में से एक बन जाता है। इस खपत का बड़ा हिस्सा परिवहन क्षेत्र से आता है–दो-पहिया और यात्री वाहनों के लिए पेट्रोल, ट्रकों और बसों के लिए डीज़ल, विमानन ईंधन, तथा कृषि में उपयोग। इस निर्भरता को कम करने के लिए भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की पहल की है, जिसमें दो-पहिया वाहन, कारें, बसें और औद्योगिक उपकरण शामिल हैं। इस परिवर्तन का उद्देश्य पीओएल की खपत और आयात निर्भरता को कम करना है। भारत का ऊर्जा परिदृश्य एक रणनीतिक परिवर्तन से गुजर रहा है। 2025 तक गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता 217 गीगावाट से अधिक हो चुकी है, और वर्तमान में कुल स्थापित क्षमता का लगभग 49ऱ हिस्सा गैर-जीवाश्म स्रोतों, जिसमें नवीकरणीय और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, से आता है। राष्ट्रीय बायो-ऊर्जा मिशन, राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और रूफटॉप सोलर कार्यक्रम जैसी सरकारी पहलें इस परिवर्तन के केंद्र में हैं। इसके अतिरिक्त, भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिए परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं का विस्तार कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने यह दिखाया कि आधुनिक युद्ध शायद ही कभी एकतरफा होते हैं।

यूक्रेन को अमेरिका और नाटो देशों का व्यापक समर्थन मिला, जो अंतरराष्ट्रीय संबंधों में शक्ति संतुलन की अवधारणा को दर्शाता है। हालांकि, जैसा कि हेनरी किसिंजर ने कहा था, अमेरिका के न तो स्थायी मित्र होते हैं और न ही शत्रु, केवल हित होते हैं। यूरोपीय देशों ने यूक्रेन का समर्थन करते हुए भी रूसी तेल और गैस पर अपनी निर्भरता को ध्यान में रखा, जो भू-राजनीति और ऊर्जा सुरक्षा के जटिल संबंध को दर्शाता है। वर्तमान मध्य पूर्व संकट से पहले ही भारत ने रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित कर ली थी, अक्सर रुपये-आधारित व्यापार जैसे अनुकूल प्रबंधों के माध्यम से, जो उसके आर्थिक और ऊर्जा हितों के अनुरूप था। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान कुछ देशों द्वारा आलोचना के बावजूद, भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। भारत अमेरिका और इज़राइल जैसे प्रमुख वैश्विक शक्तियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखता है, साथ ही ईरान के साथ ऐतिहासिक रूप से मैत्रीपूर्ण संबंध भी कायम रखता है। तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में, भारत की संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति उसकी ऊर्जा सुरक्षा को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

संगीत में पुराने दौर की गरिमा लौटाने का वक्त

राजवीर देसवाल

फिल्मी गीतों में हमेशा प्रेम, आकर्षण व अंतरंगता जैसे विषयों को भी गहरे प्रतीकों व गरिमा के साथ पेश किया गया है। किंतु मौजूदा दौर में, खासकर रैप व व्यावसायिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के चलते वह नाजुक संतुलन गड़बड़ा रहा है। बंदूकें, धन और ताकत का प्रदर्शन करने वाले संगीत के वीडियो भले रोमांचक लगते हों, लेकिन नयी पीढ़ी पर उनका गलत असर हो रहा है। भारतीय फिल्मी गाने कभी भी महज मनोरंजन का साधन नहीं रहे हैं; उन्होंने हमेशा समाज की भावनात्मक गहराई, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और परिष्कृत सौंदर्यबोध को प्रतिबिम्बित किया। एक समय था जब हिंदी सिनेमा ने प्रेम, आकर्षण और शारीरिक अंतरंगता जैसे विषयों को भी असाधारण गरिमा से प्रस्तुत किया था। बोल विचारोत्तेजक होते हुए भी संयमित, अभिव्यक्ति करते वक्त गरिमामय रहते थे। किंतु, वर्तमान दौर में, विशेषकर रैप व व्यावसायिक संगीत के बढ़ते प्रभाव के चलते वह नाज़ुक संतुलन अब लुप्तप्राय है; उसकी जगह उघड़ी कामुकता और सनसनी की प्रवृत्ति ने ले ली है। नोरा फ़तेही के नृत्य-गीत 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर हाल ही में खड़ा हुआ विवाद इसी बदलाव का एक उदाहरण है। इस गाने की इसके कथित अश्लील बोलों और बेहद कामुक प्रस्तुति के लिए आलोचना हुई। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों, अनौपचारिक बैठकों व बहस के मंचों पर जनाक्रोश दिखा। बताया जाता है कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फिल्म सर्टिफ़िकेशन जैसे प्राधिकरणों ने वकील विनीत जिंदल की शिकायत के बाद मामले का संज्ञान लिया, मानवाधिकार आयोग ने भी इस बारे नोटिस जारी किया। बादशाह के 'टटीरी' गीत मामले में भी कुछ ऐसा ही हंगामा देखने को मिला था। इस हरियाणवी रैप गाने का इसके बोलों और दृश्यों को लेकर व्यापक विरोध हुआ, जिन्हें अश्लील और स्त्री को बतौर वस्तु प्रस्तुत करने वाला माना गया। इसके बाद कानूनी शिकायतें दर्ज की गईं, और हरियाणा राज्य महिला आयोग ने कलाकार को स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया, पेश न होने पर कड़े निर्देश जारी किए, जिनमें गिरफ़्तारी, पासपोर्ट ज़ब्ती और राज्य में उसकी प्रस्तुतियों पर रोक लगाना शामिल था। मामला और तूल पकड़ गया, जब एक एफआईआर में गाने की सामग्री अश्लील बतायी गयी-खासकर वे दृश्य जिनमें स्कूल जैसे माहौल में अनुचित चित्रण किया गया था। अंततः, बढ़ते विरोध के दबाव में इस गाने को वापस लिया और माफ़ीनामा भी जारी किया। इस घटना ने जो बड़ा सवाल खड़ा किया कि कलात्मक आजादी व सामाजिक ज़िम्मेदारी के बीच सीमा रेखा कहां खींची जाए-वो अभी अनुत्तरित है। ये घटनाएं कोई अलग-थलग मामले नहीं, बल्कि समकालीन संगीत जगत में एक व्यापक चलन की ओर संकेत करती हैं। अनेक आधुनिक गाने अब 'सभ्य रुचि' की सीमाएं लांघते प्रतीत होते हैं; इनमें ऐसी भाषा व दृश्यों का प्रयोग किया जाता है जो श्रोताओं के बड़े वर्ग को भोंडे व असहज करने वाले लगते हैं। ऐसी भाव-भंगिमाएं या अभिव्यक्तियां जो खुलेआम अश्लील इशारे करती हैं, या व्यक्तियों को महज़ वस्तु के रूप में पेश करती हैं, ये उस ज़हीन और गरिमामय रोमांस के चित्रण की जगह ले रहे हैं, जो कभी फ़िल्मी संगीत की पहचान था। ऐसे बोल अक्सर भावनात्मक जुड़ाव पेश करने के बजाय, रोबदार छवि और खोखले दिखावे के भाव ही अधिक परिलक्षित करते हैं। ऐसी सामग्री की बढ़ती लोकप्रियता शायद सबसे ज़्यादा चिंताजनक है। म्यूज़िक वीडियो में अक्सर हिंसा, आक्रामकता और वस्तुवाद-बंदूकें, लक्ज़री कारें और शक्ति-प्रदर्शन-जैसे दृश्य अधिक रखे जाते हैं। कुछ खास वर्ग में, जिनमें पंजाबी पॉप और रैप शामिल हैं, दबदबे और मर्दानगी के बार-बार दोहराए जाने वाले विषयवस्तु ही हावी रहते हैं। जहां ये चीज़ें तुरंत आकर्षित करती हैं और जोश भर सकती हैं वहीं इनसे सांस्कृतिक सोच बदलने का खतरा रहता है-खासकर उन संवेदनशील युवाओं में, जो इन छवियों को तेज़ी से अपनाते हैं। रचनात्मक स्वतंत्रता कलात्मक अभिव्यक्ति की नींव है और इसका सम्मान होना चाहिए। हालांकि, यह पहचान रखना भी उतना ही अहम है कि दीर्घकालीन कलात्मकता अक्सर कल्पनाशीलता, भाषा और संयम के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण से उभरती है। जब गूढ़ता की जगह उघड़ापन आता है, तो अभिव्यक्ति की सौंदर्यपरक गुणवत्ता कम होने लगती है। पिछले दशकों के गीतों पर नज़र डालने से एक स्पष्ट अंतर दिखता है। तब भी, प्रेम, विरह और शारीरिक अंतरंगता के विषय ही मुख्य थे, फिर भी उन्हें शालीनता और काव्य-सौंदर्य के साथ व्यक्त किया जाता था। 'आज साजन मोहे अंग लगा लो' या 'पिया अंग लग लग के भई सांवली मैं' जैसी पंक्तियां स्पष्टतया सामीप्य की इच्छा व्यक्त करती हैं, लेकिन ऐसा वे गरिमा और संगीतमयता के साथ करती हैं। इसी तरह, 'शरारत करने को ललचाये रे मेरा मन' गाना चंचलता भरी चाहत को बिना अश्लीलता की सीमा पार किए व्यक्त करता है। रोमांस की और भी गहरी प्रत्यक्ष अभिव्यक्तियों को भी नफ़ासत से गढ़ा गया था। श्रोता स्पष्टता की बजाय अपरोक्ष संकेतों के माध्यम से अंतरंगता को महसूसता है, जिससे कल्पना को पूरी तस्वीर बनाने का अवसर मिलता है। कालजयी गीत 'बांहों में चले आओ' (मजरूह सुल्तानपुरी) पर भी विचार करें, जो उकसाने के बजाय गर्मजोशी और स्नेह के साथ निकटता का निमंत्रण है। या फिर भावपूर्ण गीत 'रात अकेली है, बुझ गए दीये...' जो सौम्य अंतरंगता का माहौल रचता है। ऐसी रचनाएं दर्शाती हैं कि भावनात्मक गहराई और गरिमा कैसे एक साथ हो सकती हैं। पुराने गीतों की रचना में रूपकों ने अहम भूमिका निभाई। 'मैं नदिया फिर भी मैं प्यासी' जैसी अभिव्यक्तियां काव्य-समृद्धि के साथ विरह को व्यक्त करती हैं, जबकि 'तेरे लबों को चूम लूं मैं' जैसी पंक्तियां स्पष्टतः उत्तेजक होते हुए भी परिष्कृत रहती हैं। महत्वपूर्ण यह है कि जवानी और चाहत के विषयवस्तु वाले गीत-'चढ़ती जवानी मेरी चाल मस्तानी', या 'आज मैं जवान हो गई हूं'-एक नाज़ुक संतुलन बनाए रखते थे। उनका चंचल अंदाज़ और काव्यात्मक आवरण यकीनी बनाता था कि अभिव्यक्ति अभद्रता के स्तर तक न गिरे। हालांकि, यह कहना गलत होगा कि आधुनिक संगीत में परिष्कृतता नहीं है। कई समकालीन रचनाएं सूक्ष्म प्रेम की परंपरा को कायम रखती हैं। 'पहला नशा', 'तुम ही हो', 'रातां लम्बियां', 'केसरिया' और 'तेरा बन जाऊंगा' जैसे गीत दर्शाते हैं कि श्रोता आज भी संजीदगी, मधुरता और भावनात्मक प्रामाणिकता पसंद करते हैं। आजकल के कई गीतों को लेकर गहरी चिंता सिर्फ उनकी शब्दावली से नहीं बल्कि उनके द्वारा प्रस्तुत जीवनदर्शन में भी निहित है। पैसा, आक्रामकता और वस्तुकरण पर बार-बार ज़ोर देने से ऐसे मूल्यों के सामान्यीकरण का खतरा रहता है। जब संगीत सफलता के सतही प्रतीकों-चमकदार जीवनशैली, प्रभुत्व बनाने व शक्ति प्रदर्शन-का महिमामंडन करता हो, तो यह अनजाने में आकांक्षाओं व सामाजिक व्यवहार पर असर डाल सकता है। सिनेमा और संगीत का समाज के साथ हमेशा एक गतिशील संबंध रहा। ये दोनों ही प्रचलित रुझानों को प्रतिबिंबित करते हैं और उन्हें आकार देते हैं। इसलिए, यह सवाल वाजिब है कि क्या तुरत-फुरत लोकप्रियता और वायरल सफलता की चाहत कलात्मक गरिमा व सांस्कृतिक संवेदनशीलता की कीमत पर होनी चाहिए। अंततः, इस चर्चा का उद्देश्य निंदा नहीं, बल्कि चिंतन करना है। मंतव्य उस दौर को याद करना है जब फिल्मी संगीत में रोमांस, चंचलता और काव्यात्मक सौंदर्य का संतुलन था, बिना अश्लीलता का सहारा लिए। वह विरासत आज भी रचनाकारों के लिए मूल्यवान मार्गदर्शक है। शायद आज कलात्मकता की नए सिरे से सराहना करने की जरूरत है-जहां रूपक, कल्पना और भाषाई शालीनता फिर से प्रेम और मानवीय भावनाओं के चित्रण को समृद्ध करें। जब यह संतुलन बहाल होगा, तब भारतीय फिल्मी गीत उस शाश्वत आकर्षण को बनाए रखते हुए विकसित होते रह सकते हैं जिसने उन्हें कभी चिरस्थायी सांस्कृतिक धरोहर बनाया था।

न्यायसंगत मुआवजे की संवैधानिक गारंटी

कांतिलाल मांडोत

देश की सर्वोच्च न्याय व्यवस्था ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि विकास योजनाओं और सार्वजनिक परियोजनाओं के नाम पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। जब भी किसी नागरिक की भूमि अधिग्रहित की जाती है, तो उसके बदले उसे न्यायसंगत मुआवजा देना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय इसी सिद्धांत को मजबूत करता है, जिसमें यह साफ कहा गया कि केवल वित्तीय बोझ का हवाला देकर मुआवजे के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। यह मामला राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण से जुड़ा था, जिसमें भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने यह दलील दी थी कि मुआवजे और ब्याज का भुगतान करने से उस पर अत्यधिक आर्थिक भार पड़ेगा। इस आधार पर उसने पूर्व के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की। किंतु न्यायालय ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि आर्थिक बोझ का आकलन किसी भी स्थिति में न्यायसंगत मुआवजे की संवैधानिक गारंटी को कमजोर करने का आधार नहीं बन सकता। न्यायालय की पीठ ने अपने निर्णय में यह रेखांकित किया कि जब राज्य या उसकी एजेंसियां किसी व्यक्ति की संपत्ति का अधिग्रहण करती हैं, तो वह व्यक्ति केवल अपनी भूमि ही नहीं खोता, बल्कि उसके साथ जुड़ी आजीविका, सामाजिक सुरक्षा और भविष्य की संभावनाएं भी प्रभावित होती हैं। ऐसे में मुआवजा केवल जमीन के मूल्य का भुगतान नहीं, बल्कि एक व्यापक न्यायिक प्रतिपूर्ति होती है, जिसमें ब्याज भी शामिल होता है ताकि देरी से होने वाले नुकसान की भरपाई हो सके। इस निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण के मामलों में सभी भू-स्वामियों को समान दृष्टि से देखा जाना चाहिए। कुछ मामलों में भू-स्वामियों ने न्यायालय या मध्यस्थता की प्रक्रिया का सहारा लेकर अधिक मुआवजा प्राप्त किया है, जबकि अन्य मामलों में अंतिम निर्णय हो चुका है। न्यायालय ने यह संतुलन बनाने की आवश्यकता बताई कि जहां एक ओर लोगों को उनका उचित अधिकार मिले, वहीं दूसरी ओर पहले से निपटाए गए मामलों में अनिश्चितता न उत्पन्न हो। वास्तव में भूमि अधिग्रहण का विषय केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। भारत जैसे देश में, जहां बड़ी आबादी की आजीविका भूमि पर निर्भर है, वहां अधिग्रहण का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समुदाय को प्रभावित करता है। ऐसे में मुआवजे की प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता अत्यंत आवश्यक हो जाती है। न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी कहा कि केवल इस आधार पर कि मुआवजा और ब्याज का भुगतान करने से बड़ी वित्तीय देनदारी उत्पन्न होगी, पुनर्विचार का कोई वैध आधार नहीं बनता। यह एक महत्वपूर्ण संदेश है कि राज्य की वित्तीय स्थिति नागरिकों के अधिकारों से ऊपर नहीं हो सकती। यदि ऐसा होने लगे, तो यह संविधान की मूल भावना के विपरीत होगा, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान न्याय और संरक्षण का अधिकार दिया गया है। इस निर्णय के माध्यम से न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि न्यायसंगत मुआवजा केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि एक नैतिक और संवैधानिक दायित्व है। जब सरकार या उसकी एजेंसियां विकास के नाम पर भूमि अधिग्रहण करती हैं, तो उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रभावित लोगों को उचित और पर्याप्त मुआवजा मिले, जिससे वे अपने जीवन को पुनः स्थापित कर सकें। यह फैसला उन लाखों किसानों और भू-स्वामियों के लिए राहत लेकर आया है, जिनकी जमीन विभिन्न परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की गई है। इससे यह विश्वास मजबूत होता है कि न्यायालय उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी परिस्थिति में उनके साथ अन्याय नहीं होने देगा।

श्रेष्ठ आदर्शों का संगम है भगवान राम का जीवनः वेदांताचार्य

समय जगत, दमोह। भगवान श्रीराम का जीवन आदर्शों की एक उज्ज्वल ज्योति के रूप में स्थापित है, जो भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के अनुसार वैराग्य के संदर्भ में उनके व्यक्तित्व पर विशेष रूप से प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। जब उन्हें वनवास का आदेश मिला, तब उन्होंने न केवल उसे सहज भाव से स्वीकार किया, बल्कि उसे धर्म पालन का अवसर मानकर अपनाया। राजमहल के वैभव, सत्ता और सुख-सुविधाओं का त्याग कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्चा वैराग्य बाहरी त्याग से अधिक आंतरिक संतुलन और आत्म नियंत्रण में निहित होता है। राम का यह निर्णय समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश बनकर उभरा, जिसमें जीवन में आने वाली हर परिस्थिति को धैर्य और दृढ़ता के साथ स्वीकार करना ही श्रेष्ठ मार्ग है। यह उद्गार साकेत धाम पीठाधीश्वर महंत के वक्तव्य का अंश है जो रामनवमी के पावन पर्व पर राम जन्मोत्सव के पश्चात भक्तों के मध्य श्रव्य हुआ। उन्होंने कहा कि वनवास के दौरान भी श्रीराम का जीवन केवल तप और त्याग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह कर्तव्य, सेवा और संरक्षण का उदाहरण बना। उन्होंने ऋषि-मुनियों की रक्षा की, समाज में न्याय की स्थापना की और राक्षसी प्रवृत्तियों का अंत किया। यह दर्शाता है कि उनका वैराग्य निष्क्रियता नहीं, बल्कि सक्रिय धर्मपालन का प्रतीक था। कठिनाइयों के बीच भी उनका संयम, सकारात्मक दृष्टिकोण और मर्यादित आचरण लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहा। सीता और लक्ष्मण के साथ उनका संतुलित और अनुशासित जीवन यह बताता है कि सच्चा वैराग्य व्यक्ति को समाज से दूर नहीं करता, बल्कि उसे और अधिक जिम्मेदार बनाता है। आज के भौतिकवादी और प्रतिस्पर्धात्मक युग में श्रीराम का यह आदर्श अत्यंत प्रासंगिक है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सफलता केवल भौतिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, त्याग और संतोष से मापी जानी चाहिए। वैराग्य का अर्थ जीवन से विमुख होना नहीं, बल्कि जीवन को सही दृष्टि से जीना है। राम का आदर्श हमें यह प्रेरणा देता है कि हम अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए, धैर्य और सकारात्मकता के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करें। इस प्रकार, वैराग्य की चौखट पर खड़े होकर श्रीराम का जीवन आज भी समाज के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश बना हुआ है। महामंगल सेवा समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष आयोजित राम प्रकट उत्सव के 58 वर्ष में मानस पंचानन राकेश चतुर्वेदी लाला महाराज एवं उमाशंकर चौरसिया के द्वारा भी वक्तव्य प्रदान किया गया जिसमें राम नाम ही जीवन का आधार और राम के अनुराग में निहित संदेश ही भक्ति जैसे विषयों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया।

नवमीं के दिन घर- घर हुई कुलदेवी की पूजा

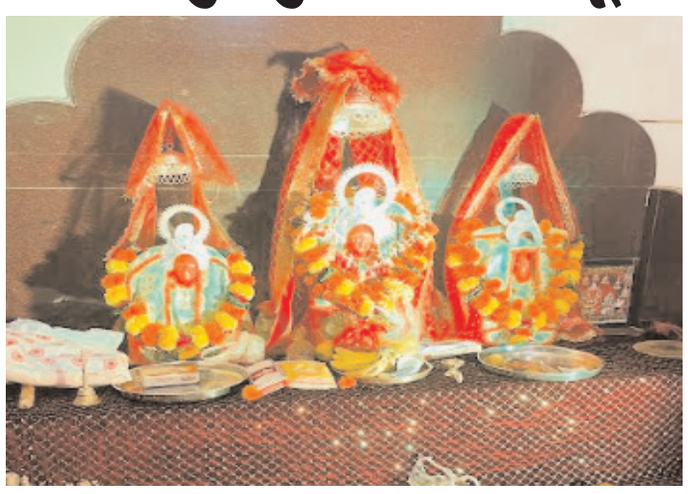

समय जगत, खुरई। चैत्र नवरात्रि पर नवमी को देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ निरन्तर लगी रही है। देवी मदिरों को विद्युत डेकोरेशन से सजाया गया। वहीं सुबह से शाम तक देवालयों एवं शक्ति पीठों में मंत्रोच्चारण के साथ ही हवन- पूजन- आराधना का क्रम अनवरत जारी रहा। नगर में नवरात्रि में नवमी पर घर-घर पूजन हुआ। वहीं लोगों ने घरों में अपनी कुल देवी की पूजा की । सुबह से ही श्रद्धालु मां देवी की पूजा अर्चना करते हुये भक्ति में लीन रहे । नौ दिनों तक चले देवी आराधना के पर्व पर शनैः- शनैः देवी मंदिरों में प्रतिदिन मां अम्बे का विशेष श्रंगार किया जाता रहा। वही मंदिर परिसर की विद्युत डेकोरेशन से सजावट की गई । महामंगला महाकाली मंदिर, बीजासेन मां मंदिर, किलामंदिर ,क्षीरसागर मंदिर में विराजी नौ देवियों सराय काम्पलेक्स स्थित देवी मंदिर एवं मॉ बगुलामुखी मंदिर में भक्तों की भीड़ निरन्तर बढ़ती रही तो वहीं जवारा स्थलों पर उपवास ,व्रत रखने वाले श्रद्धालु माता की भक्ति कर आराधना में लगे रहे।

मां बीजासेन देवी का हुआ विशेष श्रंगारः किला प्रांगण स्थित मां बीजासेन का विषेष श्रृंगार किया गया और विशेष आरती का आयोजन भी होने के साथ ही नवरात्रि के पावन अवसर पर दिन प्रतिदिन श्रद्धलुओं का आना जाना देवी दर्शन के लिए लगा रहा क्यों कि मां बीजासेन के दरबार में अपनी मनोकामनाएं लेकर भक्त आते हैं तो उन्हे मां भगवती पूर्ण कर देती हैं। यह प्राचीन मंदिर अंग्रेजों के समय से ही किला प्रांगण में स्थित है। साथ ही साथ इस मंदिर की मान्यता यह है कि जो भी भक्त मां के दरबार में अपनी अर्जी लगाते हैं, उनको मां पूर्ण कर झोली भर देती हैं। नगर में नवरात्रि में सर्वप्रथम जल ढारने की परंपरा है और श्रद्धलु सर्व प्रथम किला अंदर बने बीजासेन मंदिर में जल चढ़ाने की शुरूआत करते हैं तत्पश्चात अन्य मंदिरों में जल चढ़ाते हैं। किला बाहर स्थित मॉ बगुलामुखी मंदिर में नौ दिनों से श्रद्धालओं ,द्वारा मॉ की आरती की जाती रही तथा नवमी के दिन आरती में भक्तो ने बढ़-चढ़ का भाग लिया। परिसर में और परिसर के बाहर सभी भक्तो ने दिया जलाकर आरती का गायन किया। बाद में मां का प्रसाद वितरण किया गया ।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने किया गैस सिलेंडर चोर गिरोह का पर्दाफाश, 8 गैस सिलेंडर हुए बरामद

समय जगत, कटनी। बड़वारा पुलिस ने गैस सिलेंडर चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कबजे से 8 गैस सिलेंडर बरामद करते हुए चोरी में प्रयुक्त ऑटो बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि 16 जनवरी को श्रीमति राधा रैदास निवासी गुरुनानक वार्ड सजी मंडी के पास हाल प्राथमिक शाला अमाड़ी ने स्कूल से गैस सिलेंडर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसी प्रकार 18 मार्च को संतोष सिहं बरकड़े माथ्यमिक शाला पौड़ी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि शासकीय रसोई से 2 नग गैस सिलेंडर चोरी हो गए हैं। रिपोर्ट पर बड़वारा थाने में अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार 21 मार्च को पंकज कुमार राय शासकीय माध्यमिक शाला भजिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि विद्यालय के शासकीय रसोई से 5 नग गैस सिलेंडर चोरी हो गए थे। बड़वारा थाना क्षेत्रांतर्गत विभिन्न ग्रामों के शासकीय विद्यालयों में हुए गैस सिलेंडर चोरी के आरोपियों की तलाश के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने निर्देशित किया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बड़वारा थाना प्रभारी द्वारा विशेष टीम का गठन किया गया।

नरवाई जलाने पर एसडीएम ने की सख्त कार्रवाई

समय जगत, सिवनी मालवा। शासन, प्रशासन और सामाजिक संगठन हर वर्ष किसानों से नरवाई नहीं जलाने का आग्रह करते आ रहें हैं। जहा फसल अवशेष जलाने से मवेशियों के आहार का नुकसान हो रहा हैं, वहीं आसपास लगी फसल, हरे भरे पेड़, पौधे, पर्यावरण, जमीन के मित्र कीट, उसकी उर्वरा शक्ति भी नष्ट हो रहीं हैं। इन्हीं सब को ध्यान में रखते हुए किसानों को समझाइश भी दी जा रहीं हैं कि नरवाई न जलाएं लेकिन किसानों के नहीं मानने पर अब प्रशासन ने सख्त कदम उठाने भी शुरू कर दिए हैं। कलेक्टर, एसडीएम से लेकर पूरा अमला नरवाई नहीं जलाने को लेकर मुस्तेद हैं। सिवनी मालवा एसडीएम विजय राय के निर्देश पर बनाए गए अनुविभाग स्तरीय व ग्राम स्तरीय नरवाई प्रबंधन व निगरानी दल लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं, जो नियमों का उल्लंघन करने वालों पर तत्काल कार्रवाई कर रहा हैं। इसी क्रम में तहसील शिवपुर के ग्राम बाबरी में निरीक्षण के दौरान खेतों में नरवाई जलाने के मामले सामने आए। जांच में पाया कि संबंधित कृषकों द्वारा राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया गया हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए नायब तहसीलदार शिवपुर ने जुर्माना प्रकरण बनाकर एसडीएम को प्रस्तुत किए।

श्री सियाराम महावीर मन्दिर का जीर्णोद्धार कर श्री राम दरबार की हुई प्राण प्रतिष्ठा

समय जगत, सिवनी मालवा। चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन रामनवमी पर नगर के श्री सीताराम मंदिर, श्रीराम जानकी राधा कृष्ण मंदिर, संकट मोचन हनुमान मंदिर, श्री रामजानकी मंदिर तमोली समाज सहित अन्य देवालयों में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव पूर्ण श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। सभी मंदिरों को रंग बिरंगे फूलों, आम, केले के पत्तों से सजाया गया। आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की गई। रविवार को रामनवमी पर मंदिरों में दोपहर 12 बजे भगवान श्रीराम का जन्म होते ही भक्तों ने शंख, घड़ियाल, ढोल धमाके, गाजे-बाजे के साथ आतिशबाजी कर भगवान श्री राम जी के जन्मदिन की खुशियां मनाई। भय प्रगट कृपाला दिन दयाला, कौशल्या हितकारी की स्तुति से सारा वातावरण गुंजायमान हो उठा।

पीएमयूएम शिक्षक संघ दमोह ने विविध मांगों को लेकर राज्यमंत्री पटेल को दिया ज्ञापन

समय जगत, दमोह। पीएमयूएम शिक्षक संघ दमोह द्वारा राज्यमंत्री लखन पटेल को मध्यप्रदेश के शिक्षकों हेतु टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने संबद्ध में ज्ञापन सौंपा। पीएमयूएम शिक्षक संघ दमोह के जिला अध्यक्ष/प्रांत संयोजक पवन खरे ने बताया कि संस्थापक सतीश खरे एवं प्रांत अध्यक्ष मुरली मनोहर अरजरिया के निर्देशन में राज्यमंत्री लखन पटेल को मध्यप्रदेश के शिक्षकों हेतु टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने संबद्ध के ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से मध्य प्रदेश में शिक्षकों की नियुक्ति समय-समय पर मध्य प्रदेश शासन द्वारा जारी नियमों एवं आदेशों के अंतर्गत की गई है। प्रदेश के हजारों शिक्षक वर्षों से अपनी पूर्ण योग्यता, दक्षता एवं अनुभव के आधार पर शासकीय विद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षण कार्य कर रहे हैं। उनके द्वारा निरंतर बेहतर परीक्षा परिणाम दिए जा रहे हैं तथा शासकीय विद्यालयों के छात्र विभिन्न उच्च पदों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में 20-25 वर्षों का शिक्षण अनुभव रखने वाले शिक्षकों से टीईटी परीक्षा देना अपेक्षित करना उचित एवं न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2005, 2008 एवं 2011 में व्यापम के माध्यम से पात्रता परीक्षा आयोजित कर संविदा शिक्षकों की नियुक्ति की गई थी। उस समय संबंधित शिक्षकों ने पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर ही नियुक्ति प्राप्त की थी। अतः वर्तमान में पुनः टीईटी परीक्षा के लिए बाध्य करना तर्कसंगत नहीं है। पीएमयूएम शिक्षक संघ ने राज्यमंत्री पटेल से आग्रह किया कि आप अपने माध्यम से मुख्यमंत्री से अनुरोध करते हुए मप्र शासन द्वारा टीईटी अनिवार्यता के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करें, जिससे वर्षों से कार्यरत अनुभवी शिक्षकों को न्याय मिल सके एवं मार्च 2026 में जिन शिक्षकों ने 12 वर्ष की सेवा अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है, उन सभी शिक्षकों के क्रमोन्नति के आदेश जारी करवाने के लिए आग्रह किया। ज्ञापन देने में कार्यकारी जिला अध्यक्ष कैलाश असाटी, कोषाध्यक्ष मोहन ठाकुर, नरेंद्र नामदेव, गिरजा प्रजापति, प्रमोद प्रजापति, बैजनाथ नामदेव, ओमप्रकाश नामदेव, पारस साहू, श्रीकांत पटेल, दिनेश सेन आदि शामिल रहे।

'भये प्रगट कृपाला दीनदयाला' की गूंज के साथ ही मना राम जन्मोत्सव

समय जगत, खुरई। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव नगर के रामजानकी मंदिरों में हर्ष -उत्साह के साथ मनाया गया। रामनवमी पर्व पर मंदिरों में भजन पूजन प्रातःसे शुरू हुआ, इसके उपरांत रामायण पाठ शुरू हुआ। ठीक बारह बजे ही, भये प्रगट कृपाला दीनदयाला कौशल्या हितकारी के स्वर के गूज उठे। घंटा-शंख की नाद के साथ ही लोगों ने भगवान श्रीराम का प्रकटोत्सव मनाया। नवरात्रि के अंतिम दिवस जहां महिला श्रद्धालुओं ने देवी मंदिरो में पूजन हवन कर अपने व्रत की पूर्णाहुति सम्पन्न कराई , वहीं नगर के श्रीरामजानकी ,श्रीराधाकृष्ण मंदिरो में विशेष पूजा के साथ ही रामनवमी का पर्व मनया गया। नगर के देव बिहारी जी मंदिर देव बृजमोहन मंदिर ,तलैया मंदिर पठार राधाकृष्ण पंडित कुआ मंदिरों में श्रीराम जन्मोत्सव मनाया गया। श्रीराम नवमी पर मंदिरों में रामायण के साथ ही भजन मण्डलियों द्वारा भजनों के आयोजन हुए तो वही मंदिरों में भगवान की बाल स्वरूप झांकी लगाई गई। श्रीरामनवमी के उत्सव पर घरों में लोगों भगवान श्री राम के बालरूप का पूजन किया,वही घरों के बाहर बंदनवार बांधकर भगवान श्रीराम का प्रकटोत्सव मनाया। रात्रि में भी मंदिरों में विशेष पूजन आरती सम्पन्न की। दोपहर के 12 बजते ही लोगों ने मंदिरों के बाहर पटाखे फोड़कर जन्मोत्सव मनाया। उत्सव में विशेष प्रसादी का भी वितरण किया गया।

बालाजी सरकार अमानगंज में हषोल्लास के बीच मनाई गई रामनवमी

भक्तों ने श्रद्धापूर्वक किये भगवान के भजन कीर्तन विविध प्रकार के प्रसादों का हुआ वितरण

समय जगत, पन्ना। अमानगंज चैत्र नवरात्र की नवमी पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार हर वर्ष मनाया जाता है। पन्ना जिले के अमानगंज नगर के प्रमुख देव स्थल श्री श्री 1008 श्री बालाजी सरकार मंदिर में गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी मंदिर समिति द्वारा दोपहर ठीक 12 बजते ही भारी आतिशबाजी शुरू हो गई। घंटा-घड़ियाल जोर- शोर से सुनाई देने लगे। मंदिर के पुजारी द्वारा पूरी श्रद्धा -भक्ति भाव के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम बालाजी सरकार व उनकी मंडली की आरती उतारी गई। आरती के उपरांत भए प्रगट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी की सामूहिक स्तुति भक्तों ने गाई। भारी संख्या में उपस्थित माताओं बहनों ने भी भगवान श्री राम जी के भजन और राम नाम का सामूहिक रूप से जप-पाठ किया। भगवान को प्रसाद अर्पण होने के बाद भक्तों में भी विविध प्रकार की मिठाइयां, फल-फूल सामूहिक रूप से वितरित किए गए। इसके अलावा नगर के राघव जी मंदिर, राम दरबार में भी रामनवमी मनाए जाने की चर्चा यहां भक्तों ने रखी। यहां भी सामूहिक रूप से भारी संख्या में भक्त एकत्रित हुए और पूरे विधि विधान से भगवान श्री राम जी का जन्म उत्सव पूरी आस्था विश्वास और धर्म के साथ मनाया गया।

महर्षि संस्थान की जमीन बेचने के मामले पुलिस द्वारा की गई सख्त कार्यवाही

समय जगत, कटनी । महर्षि महेश योगी संस्थान की जमीन विक्रय के नाम पर 24 लाख 52 हजार रुपये की धोखाधड़ी के दो आरोपियों को ढीमरखेड़ा पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में पेश किया है। ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि रणजीत पटेल पिता घासीराम पटेल निवासी ग्राम बरेली ने रिपोर्ट की थी कि आरोपी दिलीप दुबे, मनीष पांडे, मुकुंदी पटेल एवं मुकेश पटेल द्वारा उसके साथ महर्षि महेश योगी संस्थान की जमीन विक्रय के नाम पर 24 लाख 52 हजार रुपये की धोखाधड़ी की गई। रणजीत पटैल की रिपोर्ट पर ढीमरखेडा थाने में प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी मुकेश पटेल द्वारा एसआरएम फाउंडेशन ऑफ इण्डिया के नाम से फर्जी बैंक खाता खुलवाया गया। फर्जी बैंक खाते से आरोपी मनीष पांडे, दिलीप दुबे द्वारा अपने खाते में पैसा ट्रांसफर किया जाता था। आरोपी मुकुंदी पटेल के नाम से भी आरोपी मुकेश पटेल द्वारा फर्जी बैंक खाता खुलवाया गया था, जिससे मनीष पांडे, दिलीप दुबे अपने बैंक खातो में पैसा ट्रांसफर कराया जाता था। आरोपी मुकुंदी पटैल पिता पुन्नूलाल निवासी हरदुआ कला थाना विजयराघवगढ़ एंव मुकेश पटेल पिता कुंजीलाल पटेल निवासी जागृति कॉलोनी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा आरोपियों को जेल भेजा गया। प्रकरण में आरोपी मनीष पांडे एवं दिलीप दुबे फरार हैं। कार्यवाही में थाना प्रभारी अभिषेक चौबे, एसआई सुरेश चौधरी, एएसआई जयपाल सिंह, प्रधान आरक्षक सुबचन यादव, आरक्षक पंकज सिंह, आरक्षक देवेन्द्र अहिरवार, आरक्षक डुमनदास, आरक्षक गंर्धव सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महामाई महोत्सव में कृष्णलीला का किया गया मंचन संस्कृति विभाग द्वारा किया जा रहा है आयोजन

समय जगत, सिरोंज। महामाई महोत्सव के पावन अवसर पर नगर में प्रतिदिन विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन सांस्कृतिक विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। इसी क्रम में रामलीला एवं रासलीला की आकर्षक प्रस्तुतियां श्री कृष्ण मुरारी व्यास के मार्गदर्शन में निरंतर मंचित की जा रही हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर स्नेह मिल रहा है जिसमें 10 दिवसीय श्री विद्या शतचंडी दुर्गा महा यज्ञ की पूर्ण आहुति एवं महा प्रसादी वितरण की जाएगी। शुक्रवार को आयोजित कृष्ण लीला में भक्त शिरोमणि मीरा बाई के जीवन चरित्र पर अत्यंत भावपूर्ण एवं प्रेरणादायक प्रस्तुति दी गई। मंचन में दर्शाया गया कि मीरा का जन्म राजस्थान में हुआ और बाल्यकाल से ही उनका रुझान भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की ओर रहा। वे निरंतर भागवत कथा का श्रवण करती रहीं, जिससे उनका कृष्ण के प्रति अटूट प्रेम विकसित हुआ। प्रस्तुति ने दर्शकों को भक्ति और समर्पण की भावना से भाव-विभोर कर दिया। वहीं दूसरी ओर रामलीला में लंका दहन का प्रभावशाली मंचन किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। कथा प्रसंग में भगवान श्रीराम द्वारा विजय प्राप्ति हेतु यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें ब्राह्मण के रूप में रावण को आमंत्रित किया गया। रावण द्वारा यज्ञ संपन्न कर भगवान राम को विजय का आशीर्वाद देने का प्रसंग विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। आज महोत्सव में ब्रज की प्रसिद्ध फूलों की होली एवं लट्ठमार होली का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं दर्शकों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में तबला वादन पर श्री सूरज प्रसाद तथा ऑर्गन वादन पर श्री सीताराम कौशिक अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह मेला इस वर्ष भी भव्यता के साथ जारी है।

धूमधाम से मनाया गया रामनवमी उत्सव सांसद वीडी शर्मा हुए शामिल

समय जगत, पन्ना। धार्मिक आस्था और उत्साह के बीच पन्ना शहर में राम नवमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे शहर में भक्ति का माहौल बना रहा। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्राओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के सांसद वीडी शर्मा के साथ साथ विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना विष्णु पांडे विष्णु पांडे एवं नगर की समस्त सम्मानित जन् प्रतिनिधि, समस्त भक्तगण, सामाजिक संगठन के अध्यक्ष मातृशक्ति ओर क्षेत्र से आए जनता जनार्दन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्रीराम के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रदेश एवं क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। सांसद वीडी ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें सत्य, मर्यादा और आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देता है। विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि राम नवमी शोभा यात्रा समाज की एकजुटता का संकेत देती है। शहर के विभिन्न मंदिरों को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया था। वहीं आयोजित की गई भव्य शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जगह-जगह स्वागत मंच बनाए गए, जहां श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया।

धरती माता और भावी पीढ़ी को स्वस्थ रखने के लिए करें प्राकृतिक खेती : डिप्टी सीएम श्री शुक्ल

श्री शुक्ल ने 'कृषि एवं विज्ञान में नवाचार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कृषि महाविद्यालय रीवा में विकसित भारत 2047 के लिए विज्ञान और कृषि में नवाचार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है। हम वर्तमान में विपुल अन्न और फल सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं। उत्पादन बढ़ाने के लिए हमने खाद और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग किया है, जिसके कारण धरती माता बीमार हो गई हैं। धरती माता को स्वस्थ रखना और भावी पीढ़ी को स्वस्थ जीवन देने के लिए प्राकृतिक खेती इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है । गोपालन पर आधारित प्राकृतिक खेती से ही हमें अच्छे स्वास्थ्य की नेमत मिलेगी। हर किसान अपनी कुल जमीन के दस प्रतिशत भाग पर प्राकृतिक विधि से अनाज फल और सब्जी का उत्पादन करें जिससे कम से कम उसके परिवार को रसायन रहित पौष्टिक आहार मिल सके। सेमिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर, एकेएस यूनि?वर्सिटी तथा श्याम दुलारे तिवारी शिक्षा एवं शोध संस्थान द्वारा किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह जी ने बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में प्राकृतिक खेती के प्रकल्प का शुभारंभ किया। उन्होंने प्राकृतिक खेती के लिए किया जा रहे प्रयासों की सराहना की। कृषि वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि अन्न उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ ऐसी किस्म का विकास करें जिससे माटी की उर्वरा शक्ति बनी रहे, धरती बीमार न हो और पौष्टिक अनाज से हम सब भी स्वस्थ रहें। समारोह में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि वर्ष 2047 की अनुमानित जनसंख्या को ध्यान में रखकर प्राकृतिक खेती तथा अनाज उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित करना होगा। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के स्थान पर जैविक विधि से बनाई गई खाद तथा कीटनाशकों का उपयोग करना होगा, जिससे धरती का स्वास्थ्य और मानव के लिए हितकारी जीवाणु, कीट और पक्षी रह सकें। सेमिनार में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर पीके मिश्रा ने कहा कि कोरोना काल ने हमें प्रकृति की ओर लौटने और प्राकृतिक खेती को अपनाने के स्पष्ट संकेत दिए हैं। हमारा अस्तित्व तभी तक है जब तक हम प्रकृति के अनुसार आचरण करेंगे। निर्माण कार्यों, बड़े बांध, खनन परियोजनाओं से वनों का विनाश होने के साथ-साथ खेती की जमीन घट रही है। साथ ही पूरी दुनिया में जल संकट की आहट है। युवा, कृषि वैज्ञानिक और शोधकर्ताओं के कंधों पर इन संकटों को दूर करने की जिम्मेदारी है। हमारे पूर्वजों ने बहुत सोच समझकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खेती के साथ गोपालन को जोड़ा और धरती तथा गौ को माता के समान आदर दिया। हमें पुन: उसी तरफ चलने की आवश्यकता है। सेमिनार में उप मुख्यमंत्री ने कृषि महाविद्यालय की पत्रिका हरियाली, प्राकृतिक खेती की पुस्तिका तथा गौ आधारित प्राकृतिक खेती एवं 17 शोध पत्रों के संकलन का विमोचन किया। सेमिनार में एकेएस विश्वविद्यालय के चांसलर श्री अनंत सोनी ने ऊर्जा संरक्षण तथा खेती में नवाचार के संबंध में विचार व्यक्त किए। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एसके त्रिपाठी ने प्राकृतिक खेती के लिए महाविद्यालय में किए जा रहे शोध की जानकारी दी। सेमिनार में प्रोफेसर डॉ. आरके तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सेमिनार में श्री एके जैन, डॉ. एसके पाण्डेय, प्रोफेसर एके शर्मा तथा वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक एवं शोधकर्ता शामिल हुए। सेमिनार में आठ राज्यों के कृषि वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

मां आनंदी धाम बैकुण्ठपुर में आयोजित हुआ विशाल भंडारा

हजारों श्रद्धालुओं की रही उपस्थिति, सुबह से देर शाम तक चलता रहा भव्य कार्यक्रम

समय जगत, रीवा। नगर बैकुण्ठपुर के मां आनंदी धाम में विशाल भण्डारे का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ, रामनवमी पर्व बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी और घर-घर में मीठे पकवान बनाकर भगवान श्रीराम को भोग अर्पित किया गया, भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

28 मार्च शनिवार को श्री रामनवमी के दूसरे दिन मां आनंदी धाम में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मां आनंदी की विधि-विधान से पूजा, सोलह श्रृंगार और ढोल नगाड़ों के साथ आरती के बाद कन्या पूजन प्रारंभ हुआ। लगभग एक हजार से अधिक कन्याओं ने इसमें भाग लिया। श्रद्धालुओं ने चुनरी चढ़ाकर कन्याओं का आशीर्वाद लिया और भोजन कराया। कार्यक्रम के दौरान कुंवर आदित्य प्रताप सिंह पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष बैकुण्ठपुर, ने माता रानी का पूजन-अर्चन कर नगर के सभी कार्यकर्ताओं एवं भक्तों के साथ मिलकर भोग लगाया। इस अवसर पर नगर के व्यापारी, वरिष्ठ समाजसेवी सहित हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। बताया गया कि भंडारे का कार्यक्रम सुबह से लेकर देर शाम तक चलता रहा, जिसमें लोगों ने बड़ी श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण किया।

इस भव्य कार्यक्रम में नगर के व्यापारियों का विशेष सहयोग रहा, जिनकी सहभागिता से भंडारा और भी गरिमामय रूप में सम्पन्न हो सका।

मां आनंदी धाम में फुलवारी जवा विसर्जन तथा पारंपरिक बघेली देवी-भगत गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को पूरी तरह भक्ति रस से सराबोर कर दिया।

नवरात्रि के नौ दिनों तक बैकुण्ठपुर भक्ति परंपरा और उत्सवमय वातावरण में डूबा रहा।

वार्षिकोत्सव में शामिल हुए विधायक, प्रतिभावान विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

गुढ़ (नि. प्र। प्रियदर्शिनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमिलिया में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक नागेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री बाबूलाल यादव, मंडल अध्यक्ष एड. अनंत कुमार गुप्ता, अरुण सिंह, कुंवर बहादुर सिंह, अनिल सिंह, भूपेंद्र प्रताप सिंह, सरपंच शिवेंद्र सिंह, बृजभान पटेल, शंकर सिंह, बीआरसी तिवारी, दिवाकर सिंह, संतोष द्विवेदी, अनिल गुप्ता, प्रभात तोमर, जगन्नाथ पटेल सहित पुलिस विभाग से एएसआई सुरेश साकेत एवं हजारों की संख्या में जनसमुदाय, अभिभावकगण और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दर्जनों सांस्कृतिक, सामाजिक एवं नाट्य प्रस्तुतियां आयोजित की गईं, जिन्होंने उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया, साथ ही अभिभावकों एवं शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 11 निवासी कमलेश कुमार गुप्ता की पुत्री अर्पिता गुप्ता को नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप करने पर विधायक ने उनके निवास पहुंचकर सम्मानित किया। उन्होंने छात्रा को पुरस्कार स्वरूप एक हजार रुपये नगद प्रदान कर उसका एवं उसके अभिभावकों का उत्साहवर्धन किया तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शुक्रमणि तिवारी, प्राचार्य संतोष कुमार तिवारी, व्यंकट सिंह, लाल बिहारी सिंह, हाशिम खान, मुद्रिका प्रसाद तिवारी, राजबहोर कुशवाहा, विजय विश्वकर्मा सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सार संक्षिप्त

श्री शुक्ल द्वारा की गई मनकामेश्वर मंदिर में पूजा- अर्चना

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा शहर के मनकामेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर सभी के कल्याण की कामना की। साथ ही मंदिर में जनभागीदारी से कराए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्य का अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्राचीन मंदिर हजारों लोगों की आस्था का केन्द्र है। इसका निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराएं। इसके परिसर विस्तार से भक्तों को दर्शन और पूजा-अर्चना में सहूलियत मिलेगी। निरीक्षण के समय निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री आज करेंगे कार्यालय भवन का लोकार्पण

समय जगत, रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल 29 मार्च को अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा के नवीन कार्यालय भवन का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण समारोह सुबह 10.30 बजे से लाड़ली लक्ष्मी पथ न्यू साइंस कालेज के सामने रीवा में आरंभ होगा। समारोह की अध्यक्षता सांसद श्री जनार्दन मिश्र करेंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय तथा रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद शामिल होंगे। अतिरिक्त संचालक डॉ. आरपी सिंह ने सभी आमंत्रितों से समारोह में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम पंचायत सगरा में 150 वर्ष पुरानी झिरिया बावड़ी की हुई सफाई

रीवा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड रायपुर कर्चुलियान के तत्वाधान में सगरा में जल संरक्षण को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत 150 वर्ष पुरानी झिरिया वावड़ी की सफाई व जल पूजन कर आम जनों को जल संरक्षण का संदेश दिया गया जल चौपाल का आयोजन कर जल है तो कल है के स्लोगन का दीवार लेखन कर आम जनों को पुराने जल स्रोतों को बचाने के लिए और जल के संरक्षण पर चर्चा की गई ब्लॉक समन्वयक श्रीमती सुषमा शुक्ला ने कहा कि जल ही जीवन है और जल है तो कल है इस संकल्प को हम सब तो सुनते हैं परंतु उसेजीवन में उतरने की आवश्यकता है जल मनुष्य के साथ जीव पशु पक्षी कीड़े मकोड़े सभी को चाहिए इसलिए जल की बचत हमें बहुत ही जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ करना होगा मनुष्य ही सजग प्रहरी है जो जन-जन को जल संरक्षण के लिए प्रेरित कर सकता हैं स्वच्छ जल जहां बीमारियों से बचत करता है वहीं व्यक्ति के जीवन को सुंदर और रोग मुक्त भी बनता है हमें जल के बचाव की जिम्मेदारी उठानी होगी छोटे-छोटे बच्चों में संस्कार डालने होंगे कि जल हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है हमें अपनी जिम्मेदारियां को एक दूसरे के साथ निभाने की जरूरत है हम खुद इसका पालन करें साथ ही लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें जागरूक करें सच्चा समाज सेवक वही है जो समाज के साथ जुड़ा रहता है और आने वाली समस्याओं से समाज को उचित मार्गदर्शन देकर सजग और सचेत करता हैप्रस्फुटन समिति सुरसा कला के अध्यक्ष श्री जय प्रकाश नारायणमिश्रा ने भी ग्राम वासियों से जल के संरक्षण संवर्धन के लिए अनुरोध किया कार्यक्रम में मेंटर महेंद्र श्रीवास्तव मनोज कुमार नापित शिवानी पांडे बालेंद्र पांडे सौरभ पांडे ष्द्ध इंटर्न विकास साहू छात्र आकाश साहू अतुल मिश्रा पूजा मिश्रा श्रद्धा सिंह आकाश त्रिपाठी और ग्रामीण जन उपस्थित रहे ।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर साइकिल रैली की गई आयोजित

समय जगत, दतिया। बडोनी एसडीओपी विनायक शुक्ला के मार्गदर्शन में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर थाना क्षेत्र अंतर्गत रन फॉर यूनिटी साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ौनी के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशभक्ति की भावना को जागृत करना रहा। रैली थाना परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: निर्धारित स्थल पर समाप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं स्टाफ द्वारा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया तथा सभी को राष्ट्रीय एकता बनाए रखने का संदेश दिया गया।

विधायक के हाथों सैकड़ों कांग्रेसियों ने ली भाजपा की सदस्यता

समय जगत, रीवा/ गुढ़। गुढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ईटार पहाड़ में कांग्रेसी नेता कपूरचंद्र जायसवाल के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक माननीय श्री नागेन्द्र सिंह के हाथों भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर विधायक का भव्य स्वागत किया गया। विधायक ने सभी नव-भाजपा सदस्यों को अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी में शामिल कराया कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री बाबूलाल यादव, मंडल अध्यक्ष एड. अनंत कुमार गुप्ता, भाजपा नेता कुंवर बहादुर सिंह, मंडल महामंत्री श्रीमती मत्तू यादव सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सरपंच दुआरी एवं जरहा के निवास पर भी विधायक का भव्य स्वागत किया गया, जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया।इस दौरान शारदा धाम इटार पहाड़ में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में भी विधायक शामिल हुए। उनके साथ भाजपा नेता अरुण सिंह, रामायण प्रसाद अग्निहोत्री, संजय जायसवाल, सुआदीन जायसवाल, चेतमणि अग्निहोत्री, राजबहोर कुशवाहा, विजय विश्वकर्मा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।इसके अलावा विधायक नागेन्द्र सिंह भाजपा नेता रामायण सिंह का हालचाल जानने उनके निवास पहुंचे। उल्लेखनीय है कि पूर्व में मोटरसाइकिल दुर्घटना में उनके पैर में फैक्चर हो गया था, जिसके चलते वे स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

श्रीराम प्राकट्य उत्सव पर गूंजे बघेली लोकगीत, रीवा की रीता तिवारी की प्रस्तुति को मिली खूब सराहना

रीवा। भगवान श्रीराम के प्राकट्य उत्सव के अवसर पर 27 मार्च को मध्यप्रदेश शासन के सांस्कृतिक विभाग द्वारा शहडोल स्थित श्रीराम जानकी मंदिर पंचायती मंदिर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को भक्ति और सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण रीवा की प्रसिद्ध लोकगायिका श्रीमती रीता तिवारी की प्रस्तुति रही, जिन्होंने बघेली लोकगीतों के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया।

अच्छी शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति को बचाए रखना शिशु मंदिर योजना का है उद्देश्य : संजय रावत

सरस्वती शिशु मंदिर उनाव रोड विद्यालय का वार्षिक परीक्षा परिणाम रहा शत- प्रतिशत

दतिया। शनिवार को सरस्वती शिशु मंदिर उनाव रोड विद्यालय का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की लगन व शिक्षकों की मेहनत जब रंग लाती है तो खुशी का ठिकाना नही रहता है कुछ ऐसा ही परिणाम इस विद्यालय के बच्चों ने दिया। बच्चों की मेहनत का अच्छा परिणाम देखकर मन को बड़ी प्रशंता हुई। श्री तिवारी ने कहा कि संस्था का परिणाम बोर्ड परीक्षाओं से आंका जाता है क्योंकि बोर्ड में किसी का हस्तक्षेप नहीं रहता। उक्त विचार कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पत्रकार संतोष तिवारी ने व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा समन्वयक खेल विभाग संजय रावत ने कहा भारतीय संस्कृति को जीवंत बनाए रखना और पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव को बेअसर करना शिशु मंदिर योजना का मुख्य उद्देश्य है। शिशु मंदिर का 2025- 26 का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा यह गौरव की बात है। वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा प्रधानाचार्य श्रीमती आकांक्षा तिवारी ने घोषित किया। इस अवसर पर विभिन्न विधाओं में स्थान पाने वाले बच्चों को अतिथियों द्वारा पुरूष्कृत किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मां वीणा वादिनी के पूजन व दीप प्रज्वलन से हुआ। अतिथि परिचय मनोहर कुशवाहा ने कराया, स्वागत गायत्री निरंजन व गायत्री प्रजापति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन महेश चौरसिया ने किया। इस अवसर पर हरि ओम निरंजन, ऋषभ श्रीवास्तव, श्रीमती रागनी, श्रीमती विमला का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन विसर्जन मंत्र के साथ हुआ।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र को मिलना ही है सच्चा न्याय : प्रधान न्यायाधीश

समय जगत, दतिया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 28 मार्च शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पुलिस लाइन ग्राउंड पर बृहद विधिक सेवा शिविर का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय चंद्रा, कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर के दौरान विशेष न्यायाधीश अखिलेश कुमार धाकड़, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री निधि पिंटो के साथ समस्त न्यायाधीश, न्यायिक विभाग एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारीगण एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधान न्यायाधीश श्री चंद्रा ने कहा कि आम जनता तक शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जानकारी के आभाव में नहीं पहुंच पाता है। उन्होंने कहा कि समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को उनके विधिक अधिकारों, नि:शुल्क विधिक सहायता एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। विशेष रूप से उन हितग्राहियों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो अब तक शासन की विभिन्न योजनाओं से वंचित रहे हैं। ऐसे पात्र व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें मौके पर ही योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य किया गया। प्रधान न्यायाधीश द्वारा कान्हा रायकवार पुत्र अजय रायकवार निवासी ग्राम गोविंदपुर को बाल श्रवण योजना के तहत कॉक्लियर इंप्लांट हेतु 5 लाख 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।

मेहनत हमेशा रंग लाती है, पढाई में मेहनत कर अच्छा परिणाम लाना बच्चों के सुंदर भविष्य की ओर इशारा कर रहा है - अमित अग्रवाल

होली हार्ट पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

दतिया। शनिवार को होली हार्ट पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित करने के साथ ही एक भव्य ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। सभी कक्षाओं के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को सर्टिफिकेट और शील्ड भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमित कुमार अग्रवाल जिला प्रतिनिधि इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी ने बच्चों, अभिभावकों व शिक्षकों को संबोधित करते हुए उनकी मेहनत की सराहना की और भविष्य में और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए उत्साहवर्धन किया। श्री अग्रवाल ने कहा मेहनत हमेशा रंग लाती है चाहे वह किसी भी क्षेत्र में कई जाती हो। पढाई में मेहनत कर अच्छा परिणाम लाना बच्चों के सुंदर भविष्य की ओर इशारा कर रहा है। विद्यालय के डायरेक्टर अनुभव राय एवं प्राचार्य श्रीमती कीर्ति यादव सहगल भी अपने विचार व्यक्त किए। पूरे स्कूल को बेहद आकर्षक सजावट से सजाया गया था जो ग्रेजुएशन सेरेमनी के माहौल को और भी उत्सवपूर्ण बना दिया। मेधावी छात्रों और उनके अभिभावकों को मंच पर बुलाकर सम्मानित करने से वातावरण उत्साह से भर गया। स्कूल परिवार ने बच्चों की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है।

अंबाडा में एसडीएम श्री बड़ोनिया ने अवैध खनन पर की बड़ी कार्यवाही

वरिष्ठ अधिकारी मौके पर रहे मौजूद

समय जगत, आमला। जिला कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के मार्गदर्शन जिले में अवैध खनन,परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत आमला अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शैलेंद्र बड़ोनिया ने खनिज, राजस्व, पुलिस विभाग के संयुक्त दल के साथ ग्राम अंबाडा स्थित स्टोन क्रेशर एवं आस पास के क्षेत्रों का औचक निरीक्षण कर अवैध खनन पर बड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की है। कार्यवाही के दौरान एक पोकलैंड मशीन और डंफर को जप्त कर संबंधित पर अर्थदंड भी लगाया गया। एसडीएम शैलेन्द्र बड़ोनिया द्वारा क्षेत्र अवैध खनन एवं परिवहन पर की गई इस बड़ी कार्यवाही की क्षेत्र में चर्चा हो रही है।

मौके पर की कार्यवाही: एस डी एम बड़ोनिया ने निरीक्षण के दौरान ग्राम अम्बाडा स्थित निजी भूमि ख.क्र. 413/2 रकबा 0.607 हेक्टेयर एवं भूमि खसरा क्रमांक 408 रकबा 1.578 हेक्टेयर के अंश भाग पर पोकलेण्ड मशीन द्वारा खनिज बोल्डर/पत्थर का अवैध उत्खनन कर डम्पर क्रमांक एमपी 48 एच 0520 के द्वारा अवैध परिवहन करते हुए जप्त किया गया। मशीन/डम्पर चालक ने बताया कि उक्त उत्खनन/परिवहन कार्य स्टोन क्रेशर संचालक उपेन्द्र ऊर्फ भूरू सूर्यवंशी द्वारा कराया जा रहा है। मौके पर उपस्थित दल द्वारा उत्खनित क्षेत्र की माप की गई। माप अनुसार उत्खनित खनिज की मात्रा 14154 घन मीटर आंकलित की गई। जांच अधिकारियों द्वारा उक्त अवैध उत्खनन कार्य में संलिप्त मशीन और डम्पर को जप्त कर पुलिस चौकी बोड़खी थाना आमला की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। वहीं ग्राम अम्बाड़ा क्षेत्र अंतर्गत मास्टर स्टोन क्रेशर के संचालक देवधर इंगले के पक्ष में स्वीकृत व अनुबंधित पत्थर उत्खनि पटटा की जांच के दौरान खदान में की गई ब्लास्टिंग से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत न किये जाने, पर्यावरण एवं खनिज नियमों का पालन न किये जाने संबंधी अनियमिताएं पाई गई।अवैध उत्खननकर्ता स्टोन क्रेशर संचालक उपेन्द्र ऊर्फ भूरू सूर्यवंशी पर मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण नियम 2022 के नियम 18 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत जुर्माना राशि 2 करोड़ 12 लाख 31 हजार की राशि का जुर्माना प्रस्तावित कर प्रकरण को न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है एवं मास्टर स्टोन क्रेशर संचालक देवधार इंगले द्वारा पट्टा संचालन में की गई गंभीर अनियमितता के कारण मप्र गौण खनिज नियम 1996 के प्रावधान अंतर्गत कार्यवाही प्रस्तावित की जा रही है।

ग्राहकों की सुविधा ,सुरक्षा को नजरअंदाज कर क्षेत्रीय प्रबंधक अपनी मनमर्जी पर उतारू

उचेहरा। भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा वर्तमान समय में जिस स्थान में संचालित हो रही है वह जन सुविधा और बैंक के ग्राहकों की सुविधा के लिहाज से काफी उपयुक्त है । प्राप्त जानकारी अनुसार क्षेत्रीय प्रबंधक की मनमानी के चलते उसे अन्यत्र सिफ्ट किया जा रहा है जबकि वर्तमान समय में जहां एसबीआई की शाखा का संचालन हो रहा है, उसका 2029 तक का रिन्यूअल एग्रीमेंट पूर्व में ही 2024 में ही हो चुका है। फिर ऐसी कौन सी बात आ गई बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अपने ही एग्रीमेंट को मानने तैयार नहीं और अपनी मन मर्जी पर उतारू हो रहे हैं। यहां तक कि बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अपने ग्राहकों की भी नहीं सुन रहे। दूसरी जगह शिप्ट होने की खबर भारत पेंशनर समाज इकाई और किसान यूनियन,व्यापारी बन्धुओं को लगी थी, पहले ही लिखित आपत्ति अनुविभागीय अधिकारी से कर चुके हैं । सुरक्षा कारणों को देखते हुये थाना प्रभारी ने भी क्षेत्रीय प्रबंधक को लिखित रूप से अवगत करा चुके है । वर्तमान समय में जिस जगह पर बैंक शिप्ट करने की योजना है वह स्थान हाइवे रेल्वे फाटक के अलावा ग्राम पंचायत रगला में आता है । प्रबंधक इसके पूर्व सतना में कई वर्षो तक ब्रांच मैनेजर के पद पर रह चुके हैं, उसके बाद इनका यहीं प्रमोशन और R.M. बनाकर सतना भेजना और एकाध बैंक को दूसरी जगह शिफ्ट करना, यह इनकी कार्य प्रणाली में शामिल है, जो किसी के समझ से परे है और यह जांच का भी विषय है । बैंक के ग्राहकों ने ज्ञापन में स्पस्ट तौर पर कहा था कि 15 वर्ष से जहां बैंक चल रहा है उस जगह पर आज दिनांक तक कोई घटना नहीं घटित हुई । जिस भवन में अभी बैंक चल रहा है उसके भू स्वामी का साफ कहना है कि अगर बैंक प्रबंधन को कोई अन्य सुविधायें चाहना था तो उन्हें पूर्व में ही सूचना देना चाहिए था । उनके द्वारा पत्र के माध्यम से पूर्व में ही उच्च अधिकारियो कों बैंक की सुविधा बढ़ाने में पूरा सहयोग देने की बात कही जा चुकी है । वर्तमान समय में बैंक जहां संचालित है, उसी जगह में उसका संचालन होने की मांग ग्राहकों द्वारा की जा रही है। इसके पीछे एक बड़ा तर्क यह है कि जिस जगह पर बैंक को ले जाने की तैयारी चल रही है वह जगह हाइवे और रेलवे फाटक के काफी करीब है । पूर्व में ही भू स्वामी द्वारा बैंक प्रबंधन के उच्च अधिकारियों को यहां के सारे हालातों की जानकारी दी जा चुकी है लेकिन क्षेत्रीय प्रबंधक ग्राहकों की सुविधा / सुरक्षा का ध्यान न रख वर्तमान जगह में संचालित बैंक को अपनी मनमानी से दूसरी जगह पर ले जाने पर उतारू हैं ।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर निवास पर कन्यापूजन, रामनवमी पर आस्था और परंपरा का दिखा संगम

समय जगत, मंडला। पावन पर्व रामनवमी के अवसर पर कलेक्टर निवास में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विधि-विधान के साथ कन्यापूजन कर मां दुर्गा के स्वरूप बालिकाओं का सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने कन्याओं के चरण पूजन कर उन्हें तिलक लगाया तथा प्रसाद एवं उपहार भेंट किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में कन्याओं को देवी का स्वरूप माना गया है और उनका सम्मान करना हमारी परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कन्यापूजन के इस आयोजन में परिवारजन उपस्थित रहे।

अरीशा की उपलब्धि पर ज़ैद अली को किया गया सम्मानित

समय जगत, मनावर। राजधानी भोपाल की निजी यात्रा पर आए देपालपुर के जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने यलगार टाइम्स के डिजिटल एडिटर ज़ैद अली को उनकी बेटी अरीशा अली की शैक्षणिक उपलब्धि पर सम्मानित किया। अरीशा अली ने कक्षा 5वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए टॉपर्स में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश ने ज़ैद अली को सम्मानित करते हुए अरीशा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार नौशाद कुरैशी एवं वरिष्ठ समाजसेवी लईक मियां भी उपस्थित रहे। उपस्थित जनों ने अरीशा की इस सफलता की सराहना करते हुए इसे मेहनत और लगन का परिणाम बताया। यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक मानी जा रही है।

नि :शुल्क कैंसर परीक्षण शिविर आज रविवार को किया जाएगा आयोजित

समय जगत, रतलाम। सिविल सर्जन डॉ एम एस सागर ने बताया कि दिनांक 29 मार्च रविवार को निशुल्क कैंसर जांच उपचार एवं परामर्श शिविर का आयोजन जिला चिकित्सालय रतलाम के कक्ष क्रमांक 15 में प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक किया जाएगा। शिविर में सीनियर कैंसर स्पेशलिस्ट डॉक्टर दिनेश पेंढ़ारकर एवं राज्य कैंसर नोडल अधिकारी डॉक्टर सी एम त्रिपाठी , जिला नोडल अधिकारी डॉ गोपाल यादव द्वारा जांच एवं उपचार, परामर्श सेवाएं प्रदान की जाएगी।

श्री राधेकृष्ण की रासलीलाओं से प्रारंभ हुआ फुटतालाब हनुमान जयंती महोत्सव

मेघनगर (दशरथ सिंह कट्ठा)। झाबुआ जिले के प्रसिद्ध तीर्थस्थल फुटतालाब में श्रीहनुमान जयंती महोत्सव का शुभारंभ कलश यात्रा व श्रीराम भक्त हनुमान जी की महाआरती के साथ हुआ। मंदिर के दिलीपदास जी महाराज ने बताया कि इस अवसर पर हनुमान जी का विशेष श्रृंगार किया गया था, पूरे दिन रामनवमी के चलते दूर दराज से भक्त दर्शनों के लिये फुटतालाब पहुंचे। आशीर्वाद लिया तो वहीं शाम के रंगारंग भक्तिमय कार्यक्रम व श्रीराधेकृष्ण की रासलीलाओं से शुरू हुए रासलीला में बृज के कलाकारों ने फुटतालाब को बृज धाम बना दिया। आयोजन राधा कृष्ण की पूजा अर्चना वंदना आरती के साथ पप्पू भैया व विद्वान पंडितों की उपस्थिति में हुआ। उसके पश्चात बृज भावों से भरे भजनों पर नृत्य श्रीगिरिराज धरणं बाँके बिहारी के जयकारे के साथ हुआ। 'कान्हा मोर बन आयो कान्हा मोर बन आयो काला काला करे गुजरी' इन भजनों पर भगवान श्री कृष्ण ने मयूर नृत्य किया। वहीं बृज गोपियों के साथ 'रास रचो है रास रचो है वृंदावन में रास रचो है' भजन के साथ बृज की बृजगणाओं के साथ रास रचाया। फिर 'पुणे मेरे नैनन में श्याम समय गो मोहे प्रेम को रोग लगायेगो गोवर्धन जो मेरी वीर नई माने मेरा मनुमा कान्हा बरसाने में आ जइयो बुलाई गई राधा प्यारी' भजनों पर बृज के कलाकारों ने उपस्थित भक्तों को भाव विभोर कर दिया। उसके पश्चात राधा रानी की गोद भराई का प्रसंग, जिसमें माँ यशोदा ने राधा रानी की गोद भरी। इसके पश्चात भूत भावन भोलेनाथ का तांडव नृत्य 'बम भोले बम भोले बम भोले बम' इस भजन पर तांडव नृत्य, दीपक नृत्य किया। फिर बृज ग्वालों के साथ बृज गोपियों के यहां माखन मिश्री की चोरी ,मटकी फोड़ लीला के दर्शन भी करवाये । कार्यक्रम के विश्राम में श्री बांके बिहारी जी की महाआरती की गयी। वृंदावन ग्रुप के व्यास जयराम शर्मा के संरक्षण में आयोजित इस कृष्ण भक्तिरस कार्यक्रम को देखने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

आंगनवाड़ी केन्द्रों का किया गया औचक निरीक्षण

समय जगत, रतलाम। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग रामनिवास बुधोलिया ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशानुसार जिले में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों की मॉनीटरिंग हेतु विकसित व्यवस्था के अंतर्गत जिले के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुछ केन्द्रों पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका अनुपस्थित पाई गई एवं स्वयं सहायता समूह द्वारा भोजन समय पर प्रदाय नहीं किया जा रहा था। कार्य में लापरवाही बरतने के कारण 6 परियोजना अधिकारी, 1 सुपरवायजर , 7 स्व सहायता समूह को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान परियोजना रतलाम ग्रामीण -1 अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र आलनिया बंद पाया गया तथा केंद्र पर कार्यकर्ता एवं सहायिका दोनों ही अनुपस्थित थी। परियोजना रतलाम ग्रामीण -1 पर्यवेक्षक श्रीमती पिंकी खेड़े द्वारा आंगनवाडी कार्यकर्ता/ सहायिका के कार्यो पर पर्याप्त नियंत्रण नही रखे जाने के पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। निरीक्षण के दौरान कुछ आंगनवाड़ी केंद्रों पर हितग्राही के मान से भोजन की मात्रा अपर्याप्त थी ,साथ ही भोजन की गुणवत्ता एवं किचन में बर्तनों की स्वच्छता भी संतोषप्रद नहीं होने पर लक्ष्मी स्व सहायता समुह (अंगना केंद्र चिकलीया), गोपाल स्व सहायता समुह (आंगनवाड़ केंद्र आलनिया), गायत्री स्व सहायता समुह (आंगनवाड़ी केंद्र सेमलिया), विकलाग स्व सहायता समुह (आंगनवाड़ी केंद्र नारायणी), भगोरा स्व सहायता समुह (आंगनवाड़ी केंद्र आली - 2), महिला स्व सहायता समुह (आंगनवाड़ी केंद्र कसेर), शारदा स्व सहायता समुह (आंगनवाड़ी केंद्र झालवा) का एक दिवस के पोषण आहार की राशि देयक अमान्य कर कटौत्रा किया गया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाडी केन्द्र झालवा (जावरा ग्रामीण), प्रभारी परियोजना अधिकारी बाजना श्रीमती एहतेशाम अंसारी द्वारा केन्द्र का संचालन नियमानुसार एवं संतोषजनाक नही होने पर कारण बताओ सूचना पर जारी किया गया।

सीबीएसई परीक्षा में एज़द कुरैशी की शानदार सफलता

75 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल कर परिवार और स्कूल का नाम किया रोशन

समय जगत,मनावर। भोपाल के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 के कक्षा 8वीं के मेधावी छात्र एज़द कुरैशी ने सीबीएसई बोर्ड की वार्षिक परीक्षा 2025-26 में 75.08 प्रतिशत अंक (ग्रेड-बी1) प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके माता-पिता बल्कि विद्यालय परिवार में भी खुशी और गर्व का माहौल है। परीक्षा परिणाम के अनुसार एज़द ने सभी विषयों में संतुलित और बेहतर प्रदर्शन करते हुए यह सफलता हासिल की है। उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास को इस उपलब्धि का मुख्य आधार माना जा रहा है। एज़द कुरैशी ने अपनी सफलता पर कहा, यह परिणाम मेरी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का फल है। मैं आगे भी इसी तरह मेहनत कर और बेहतर प्रदर्शन करना चाहता हूं। कक्षा अध्यापक सदानंद तिवारी ने एज़द की सराहना करते हुए कहा, एज़द एक अनुशासित और मेहनती छात्र है। उसकी लगन और सीखने की जिज्ञासा ही उसकी सफलता का आधार है। हमें विश्वास है कि वह भविष्य में और बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगा। वहीं परिजनों ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा, हमें एज़द पर गर्व है। उसने अपनी मेहनत से यह साबित किया है कि लगन और समर्पण से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। विद्यालय के अन्य शिक्षकों और सहपाठियों ने भी एज़द को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनकर सामने आई है।

2792 बालिकाओं को किया गया एचपीवी का वैक्सीनेशन

समय जगत, रतलाम। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर संध्या बेलसरे ने बताया कि रतलाम जिले में अब तक 2792 बालिकाओं को एचपीवी का वैक्सीनेशन किया जाकर सर्वाइकल कैंसर से प्रतिरक्षित किया गया है। शासकीय स्वास्थ्य केंद्र पर 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को निशुल्क एचपीवी का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। इस वैक्सीन के माध्यम से बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए प्रतिरक्षित किया जा रहा है। वैक्सीन पूरी तरह कारगर और सुरक्षित है। एचपीवी वैक्सीनेशन रतलाम जिले के मेडिकल कॉलेज, बाल चिकित्सालय , सिविल अस्पताल जावरा, सिविल हॉस्पिटल आलोट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नामली , सैलाना बाजना, ताल, पिपलोदा केंद्रों पर वैक्सीनेशन किया जा रहा है। वैक्सीनेशन की सुविधा शनिवार ,रविवार एवं अवकाश के दिनों में भी सहजता से उपलब्ध है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ वर्षा कुरील ने बताया कि वैक्सीनेशन के लिए आयु के संबंध में कोई भी प्रमाण जैसे जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, अंकसूची की छाया प्रति अथवा स्वयं का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना पर्याप्त है। वैक्सीनेशन के लिए यू विन पोर्टल पर ऑनलाइन प्री रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध है अथवा सीधे स्वास्थ्य केंद्र पर आकर भी वैक्सीनेशन कराया जा सकता है। एच पी वी का वैक्सीन महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए सुरक्षा प्रदान करता है।

लौहपुरुष की 150वीं जयंती पर पुलिस द्वारा की गई साइकिल रैली आयोजित

एकता और स्वास्थ्य का दिया संदेश

मंडला। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर मंडला पुलिस द्वारा साइकिल रैली (साइक्लोथॉन) का आयोजन किया गया। यह आयोजन पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, एकता, अनुशासन एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना रहा। यह साइकिल रैली जिला मुख्यालय के साथ-साथ विभिन्न थाना क्षेत्रों में भी आयोजित की गई। पुलिस लाइन मंडला से पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः पुलिस परेड ग्राउंड में संपन्न हुई। इस आयोजन के माध्यम से मंडला पुलिस ने एकता, स्वास्थ्य एवं अनुशासन का संदेश देते हुए जनसहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय पहल की। इस अवसर पर डीएसपी सतीश चतुर्वेदी, रक्षित निरीक्षक सुनील नागवंशी, मंडला साइक्लिंग क्लब के सदस्य, फुटबॉल कोच पंकज उसराठे सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सूरज सेन की प्रतिमा स्थापना का क्षत्रियों ने लिया संकल्प

आकाश दुबे-समय जगत

ग्वालियर। श्री रामनवमी के पावन अवसर पर जम्बाह भक्त मंडल के तत्वाधान में कच्छवाह वंश की कुल देवी श्री जम्बाह भवानी जी की महाआरती एवं ग्वालियर के संस्थापक सूरजसेन कच्छवाह विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में उपस्थित अतिथियों ने ग्वालियर में राजा सूरज सेन की प्रतिमा स्थापना का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आध्यात्मिक संत कृपाल सिंह महाराज मौजूद रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में समाज के वयोवृद्ध नेता एवं मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह व साडा के पूर्व अध्यक्ष जयसिंह कुशवाह, क्षत्रिय समाज के नेता राजवीर सिंह राठौर,

समाज सेवी उत्तम सिंह ने मंच सुशोभित किया। विचार गोष्ठी को मुख्य वक्ता के तौर पर राजस्थान से पधारे राजऋषि राजेंद्र सिंह नरूका ने संबोधित किया। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित करते आध्यात्मिक संत कृपाल सिंह महाराज ने आयोजित विचार गोष्ठी को समाज की युवा पीढ़ी के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने कहा ऐसे आयोजनों से युवा अपने समाज, संस्कृति और इतिहास से परिचित होंगे। इस अवसर पर राजस्थान से पधारे मुख्य वक्ता राज ऋषि राजेंद्र सिंह नरूका जी ने अपने उद्बोधन में कच्छवाह वंश की स्थापना से जुड़े इतिहास पर प्रकाश डाला और सभी से एकजुट होकर समाज के उत्थान में अपना बहुमूल्य योगदान देने का करबद्ध आग्रह किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन डॉ गोविंद सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन वर्तमान की आवश्यकता हैं। आगे उन्होंने आयोजकों को आश्वस्त किया कि भविष्य में सहयोग के लिए वह तत्पर रहेंगे और जरूरत पड़ने पर युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन भी करेंगे। उन्होंने आयोजकों को कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी। इस दौरान मंचासीन विशिष्ट अतिथि जयसिंह कुशवाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि कच्छवाह वंश इतिहास में त्याग, समर्पण और साहस के लिए जाना जाता है। महाराजा सूरजसेन ग्वालियर के संस्थापक हैं। इसलिए उनकी प्रतिमा की शहर में स्थापना के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

आमला में उत्सव की तरह मनाया गया राम जन्मोत्सव

आमला, हरिप्रसाद गोहे। समूचे आमला शहर में भगवान राम का जन्मदिन उत्सव की तरह मनाया गया।रामनवमी के अवसर पर मेन मार्केट में विशाल जन सैलाब उमड़ पड़ा। प्राचीन राम मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ था और पूरा शहर प्रभु श्री राम जन्मोत्सव की धूम में डूबा हुआ था। आमला के व्यापारियों ने मेन रोड पर विशाल भंडारे का आयोजन किया, वहीं आमला शहर भर में अलग स्थानों से शोभा यात्रा भी आमला पहुंची थी। जिसमें बड़ी संख्या राम भक्तों ने पहुंच भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। व्यापारियों ने दोपहर 4 बजे सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना और महाआरती के साथ भंडारे की विधिवत शुरुआत की गई। इस दौरान भंडारे में भक्तिमय गीतों के साथ शानदार आतिशबाजी की गई , जो उत्सव की तरह लग रही थी । जिसका रात्रि 12 बजे तक श्रद्धालु भक्तों ने आनंद लिया। उक्त आयोजन को सफल बनाने में प्रमुख रूप से व्यापारी दीपक जुमरिया, राजु जैन, मनोज राठौर, बंटी सोनी,

रोशन साहू, पंकज भाई, विनोद मदान, नरेश राठौर, बब्बू सोनी, सीटू साहू, प्रणय साहू, राजा जुमारिया, अरविंद मडेलकर, खुशाक जुमरिया, पद्दू सेठिया, यश गुगनानी, रोहित भावसार सहित अन्य व्यापारियों ने विशेष सहयोग दिया। मेन मार्केट के सभी व्यापारियों ने मिलजुलकर प्रभु श्री राम जी के जन्मोत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाया और शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का आव्हान किया।

जैतपुरा में मेगा लीगल शिविर: 500 से ज्यादा लोगों को मिली कानूनी जानकारी

धार। आदर्श नर्सिंग कॉलेज, जैतपुरा में शनिवार को मेगा लीगल आउटरीच एवं जागरुकता शिविर का भव्य आयोजन किया गया। यह शिविर मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें लगभग 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विशेष न्यायाधीश श्रीमती मेरी मार्गरिट फ्रांसिस डेविड द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग और विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विभिन्न योजनाओं के स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों को सीधा लाभ और जानकारी प्राप्त हुई।

कार्यक्रम में महिलाओं के अधिकारों को लेकर विशेष फोकस रहा। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम-2013 सहित कई महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी दी गई। साथ ही अति. पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारूल बेलापुरकर ने महिला हेल्पलाइन 1091, डायल 112, साइबर अपराध और गुड टच-बैड टच जैसे संवेदनशील विषयों पर जागरूक किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रदीप सोनी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्ग–महिलाओं, बच्चों, श्रमिकों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों तक न्याय और सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है। इस दौरान पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न विषयों पर शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

बुंदेलखंड में ओलावृष्टि से तबाही, जेडीयू ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

बांदा। बुंदेलखंड क्षेत्र में हाल ही में हुई असमय वर्षा और ओलावृष्टि ने किसानों की पकी हुई फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिससे पूरे क्षेत्र में किसानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इस मुद्दे को लेकर जेडीयू की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बुंदेलखंड प्रभारी शालिनी सिंह पटेल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंडल आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि खेतों में खड़ी और कटाई के लिए तैयार फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया है और उनके सामने आजीविका का संकट उत्पन्न हो गया है। शालिनी सिंह पटेल ने अपने वक्तव्य में कहा कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और इस कठिन समय में सरकार को उनके साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत सर्वे कराकर वास्तविक नुकसान का आकलन किया जाए और किसानों को शीघ्र उचित मुआवजा दिया जाए, साथ ही जिन किसानों की पूरी फसल नष्ट हो चुकी है उनके लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा की जाए। इसके अतिरिक्त किसानों के ऋण, बिजली बिल एवं अन्य देनदारियों में भी तत्काल राहत देने की मांग उठाई गई।

सकल पंच फूल माली समाज द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव पर नगर में आयोजित किया गया भव्य चल समारोह

अखाड़े , झांकियां व भगवान श्रीराम के विमान तथा भजन मंडलियां रहे आकर्षण का केन्द्र

समय जगत, सारंगपुर। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी सकल पंच फूल माली समाज सारंगपुर के तत्वाधान मे श्री राम जन्मोत्सव भव्य रूप से मनाया गया। जिसके तहत गत रात्रि को समाज के सभी मोहल्ले मुकेरवाडी भेरुदरवाजा बागकुआ टंकी खारीया किडी पछेटवाडी के श्रीराम मंदिरों में संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन किया गया। वहीं शनिवार को फूल माली समाज अध्यक्ष शिवनारायण पुष्पद के नेतृत्व में विशाल एवं भव्य चल समारोह निकाला गया। समाज के सभी 6 मोहल्लों से अखाड़े -झाकियां, भगवान के विमान एवं भजन मंडलियां अपने अलग अलग मार्ग से चलकर गांधी चौक में एकत्रित हुए। जहां से ढोल ढमाके के साथ भव्य चल समारोह प्रारंभ हुआ, जो महाकाल चौराहा गणेश डेरी मंडई चौक जामा मस्जिद, रंगेरवाड़ी होते हुए बागकुआ टंकी कार्यक्रम स्थल पहुंचा। जहां महाआरती की उच्चतम बोली लगाने वाले यजमान ने महाआरती की। समाज जनों ने अतिथियों का साफा बांधकर तथा दुपट्टा पहना कर स्वागत- सम्मान किया। साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में समाज बंधुओं ने शामिल होकर लाभ लिया।

नगर में परंपरा अनुसार फूल माली समाज के 6 अखाड़े चल समारोह में शामिल हुए। जिनमें महावीर अखाड़ा भेरुदरवाजा, बदलीपुरा हनुमान अखाडा बागकुआ टंकी, पंचमुखी हनुमान अखाडा पछेटवाडी, बालाजी अखाडा मुकेरवाडी, पवनपुत्र अखाड़ा खारीया, बजरंग अखाडा किडी के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक हैरतगेज करतब दिखाए। साथ ही अखाड़ों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। राज्य मंत्री डॉ गौतम टेटवाल ने भी तलवारबाजी कर अपना कौशल दिखाया। भगवान श्रीराम की आकर्षक एवं भव्य झांकी ढोल ताशे कीर्तन मंडली सहित भगवान के आकर्षक डोल चल समारोह में आकर्षण का केंद्र रहे

दर्जन भर से अधिक मंचों से हुआ स्वागत: फूल माली समाज के चल समारोह का सार्वजनिक हिंदू उत्सव समिति श्याम परिवार महादेव मित्र मंडल भारतीय जनता पार्टी ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस राहुल राज मित्र मंडल शिव प्रेमी संगठन महात्मा फुले युवा मंच क्षत्रिय राठौर समाज सर्व ब्राह्मण समाज माखनलाल पुष्पद स्मृति मित्र मंडल प्रजापति समाज सकल जैन समाज दिगंबर जैन समाज स्वर्णकार समाज अर्जुन माली मित्र मंडल उज्जैन सहित अन्य सामाजिक एवं धार्मिक संगठन तथा लोगों ने जगह-जगह साफा बांधकर दुपट्टा पहना कर तथा ठंडाई का वितरण कर स्वागत सम्मान किया।

नरवाई जलाने पर रोक के लिये सक्रिय है सरकारी अमला

नरवाई जलाने पर एसडीएम ने की सख्त कार्रवाई, 3 पर लगाया गया अर्थदंड

समय जगत, सिवनी मालवा। शासन, प्रशासन और सामाजिक संगठन हर वर्ष किसानों से नरवाई नहीं जलाने का आग्रह करते आ रहें हैं। जहां फसल अवशेष जलाने से मवेशियों के आहार का नुकसान हो रहा है, वहीं आसपास लगी फसल, हरे भरे पेड़, पौधे, पर्यावरण, जमीन के मित्र कीट, उसकी उर्वरा शक्ति भी नष्ट हो रही है। इन्हीं सब को ध्यान में रखते हुए किसानों को समझाइश भी दी जा रही है कि नरवाई न जलाएं लेकिन किसानों के नहीं मानने पर अब प्रशासन ने सख्त कदम उठाने भी शुरू कर दिए हैं। कलेक्टर, एसडीएम से लेकर पूरा अमला नरवाई नहीं जलाने को लेकर मुस्तैद हैं। सिवनी मालवा एसडीएम विजय राय के निर्देश पर बनाए गए अनुविभाग स्तरीय व ग्राम स्तरीय नरवाई प्रबंधन व निगरानी दल लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं जो नियमों का उल्लंघन करने वालों पर तत्काल कार्रवाई कर रहा हैं। इसी क्रम में तहसील शिवपुर के ग्राम बाबरी में निरीक्षण के

दौरान खेतों में नरवाई जलाने के मामले सामने आए। जांच में पाया कि संबंधित कृषकों द्वारा राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया गया हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए नायब तहसीलदार शिवपुर ने जुर्माना प्रकरण बनाकर एसडीएम को प्रस्तुत किए। जिस पर एसडीएम श्री राय ने त्वरित कार्यवाही करते हुए 3 अलग-अलग मामलों में कुल 25 हजार रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया। ग्राम स्तरीय ÷नरवाई प्रबंधन एवं निगरानी दल÷ द्वारा मौके पर निरीक्षण के आधार पर निम्नलिखित कृषकों में मंगल सिंह पिता रामराज 10 हजार रुपए ग्राम बाबरी, राजकुमार पिता चंदर सिंह 10 हजार ग्राम बाबरी, राजकुमार पिता चंदरसिंह 5 हजार रुपए जुर्माने की कार्रवाई की गई। एसडीएम विजय राय ने ग्राम बाबरी में कृषक द्वारा नरवाई जलाने पर मौके पर उपस्थित होकर संबंधित कृषक पर दण्डात्माक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। वहीं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विजय राय ने स्पष्ट कहा हैं कि नरवाई जलाना कानूनन अपराध हैं और इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निगरानी दल लगातार सक्रिय हैं और भविष्य में यदि कोई भी कृषक नरवाई जलाते हुए पाया जाता हैं तो उस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए भारी जुर्माना और एफआईआर दर्ज करने की कार्यवाही की जावेगी। साथ ही कृषकों से इस राशि की वसूली भी की जायेगी। यदि कृषकों द्वारा जुर्माना राशि जमा नहीं की जाती हैं तो इसकी प्रविष्टी संबंधित कृषकों के खसरों में भी की जावेगी।

जिससे उन खातों पर ऋण, खाद, उपार्जन में फसल विक्रय इत्यादि कार्यों में कठिनाई का समाना करना पड़ेगा। साथ ही किसानों से अपील की हैं कि वे नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाएं और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें।

सार-समाचार

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में झाबुआ में साइक्लोथॉन का किया गया आयोजन

समय जगत, झाबुआ। देश के प्रथम गृहमंत्री लौहपुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में साइक्लोथान रैली का आयोजन किया गया। यह रैली पुलिस लाइन, झाबुआ से प्रारंभ होकर राजगढ़ नाका होते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय, झाबुआ में समाप्त हुई।उक्त रैली को उप पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक शिव दयाल सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।साइक्लोथॉन में उप पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक शिव दयाल सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया सहित अनेक पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों एवं बच्चों ने साइकिल चलाकर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के साथ साथ फिट इंडिया का संदेश दिया।

मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला का भव्य समापन आस्था, संस्कृति और जनसेवा का दिखा अद्वितीय संगम

समय जगत, बुरहानपुर। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम धामनगांव में आयोजित मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला का गत रात्रि अत्यंत भव्य, श्रद्धामय और भाव-विभोर वातावरण में समापन हुआ। नौ दिनों तक चले इस विराट आयोजन ने क्षेत्र में आस्था, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और ग्रामीण विकास का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। समापन अवसर पर आयोजित भव्य भक्ति संध्या में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) के सान्निध्य में हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्ति संध्या की मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध भजन गायक अरुण मनी लक्खा की ओजपूर्ण एवं भावपूर्ण प्रस्तुति रही। जैसे ही उन्होंने मंच संभाला, पूरा वातावरण भक्ति रस में डूब गया। उनकी गूंजती हुई आवाज और भावपूर्ण प्रस्तुति ने ऐसा आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया कि श्रद्धालु अपने स्थान पर टिक नहीं पाए और भक्ति में झूम उठे। श्री राम आए हैं भजन की प्रस्तुति के दौरान पूरा पंडाल जय श्री राम के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं प्रभु श्रीराम का आगमन हो गया हो और पूरा वातावरण राममय हो गया हो। इसके बाद मुझे चढ़ गया भगवा रंग जैसे जोशपूर्ण भजन ने युवाओं और श्रद्धालुओं में नई ऊर्जा का संचार कर दिया। श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लेकर नृत्य करते नजर आए और पूरा परिसर भक्तिरस और उत्साह से सराबोर हो गया। श्री मनी लख्खा ने अपने कार्यक्रम में भक्ति, राष्ट्रभावना और सनातन संस्कृति का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। उनके भजनों में केवल संगीत ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा, संस्कार और समाज को जोड़ने का संदेश भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। उनकी प्रस्तुति के दौरान हजारों श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में लीन होकर झूमते रहे, जिससे यह भक्ति संध्या मेले की सबसे यादगार और आकर्षक प्रस्तुति बन गई। मेले की शुरुआत 19 मार्च गुड़ी पड़वा को भव्य दिंडी पदयात्रा के साथ हुई थी। इन 9 दिनों में मेले के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कीर्तन, भजन संध्या, पारंपरिक प्रस्तुतियां और लोक-कलाकारों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। विशेष रूप से आयोजित पारंपरिक कांटा कुश्ती दंगल एवं कबड्डी ने ग्रामीण खेल परंपरा को जीवंत करते हुए दर्शकों में खास उत्साह पैदा किया।

नगर पालिका अध्यक्ष की उपस्थिति में प्रस्तुत किया गया बजट

समय जगत, सिवनी मालवा। नगर पालिका परिषद सभाकक्ष में विधायक प्रेमशंकर वर्मा की अध्यक्षता एवं नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन की उपस्थिति में वित्तीय वर्ष 2026 - 27 के बजट पेश किया गया। जिसमें अनुमानित आए 100 करोड़ 93 लाख 40 हजार रुपए। अनुमानित व्यय 100 करोड़ 93 लाख 15000 रुपए दर्शाया गया। इस तरह नगर पालिका ने 25000 रूपए का लाभ बताया। बजट बैठक में नपाध्यक्ष रितेश जैन ने बताया कि नगर में विकास कार्य, साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुव्यवस्थित जल वितरण का कार्य का उल्लेख करते हुए वार्ड नम्बर 1, 3, 6,7,9 के पुराने स्कूलों की भूमि पर आंगनवाड़ी केंद्र, इंडोर आउटडोर स्टेडियम, जिम, लायब्रेरी और बगीचे का निर्माण कराए जाने की योजना

बताई।

सम्पत्ति, जल कर के लिए होगा ठेका, विपक्षियों ने विरोध किया: विधायक प्रेमशंकर वर्मा की अध्यक्षता ने हुई बैठक में नपाध्यक्ष रितेश जैन ने बताया कि नगरीय क्षेत्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का किराया, सम्पत्ति कर, जलकर की समय पर वसूली नहीं हो पाती हैं। 90 फीसदी लक्ष्य पूरा नहीं होने पर सरकार से विकास कार्य और नपा कर्मचारियों की पगार का बाकी पैसा नहीं मिल पाता हैं। नपा कर्मचारी भी ठीक से वसूली नहीं कर पाते हैं। इसलिए नगर पालिका परिषद ने निर्णय लिया हैं कि नगर पालिका की कर वसूली का कार्य ठेका पद्धति से किया जाए। जिससे ठेकेदार के कर्मचारी समय पर कर वसूली करेंगे तो जनता बिलम्ब शुल्क देने से बच जाएगी।

विधायक को दिया सामूहिक विवाह सम्मेलन का आमंत्रण

सिलवानी। जिला साहू समाज रायसेन (मध्य प्रदेश तेलिक साहू सभा) के तत्वावधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन इस वर्ष 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर ग्राम खैरी जयपुरा में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर उन्हें आमंत्रित कर रहे हैं। इसी क्रम में जिला साहू समाज समिति रायसेन के प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र पटेल से

मुलाकात कर उन्हें सम्मेलन में शामिल होने हेतु आमंत्रण सौंपा। इस अवसर पर रेवाराम साहू (तहसील अध्यक्ष, बम्हौरी), शिव कुमार साहू (युवा जिलाध्यक्ष), गोविंद साहू (तहसील उपाध्यक्ष) एवं जगदीश प्रसाद साहू सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर पचौर में संपन्न हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

पचोर । विद्या भारती मध्य भारत प्रांत द्वारा संचालित स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर पचोर में पुरस्कार वितरण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न हुआ। परीक्षा परिणाम के साथ-साथ वर्ष भर चलने वाली गतिविधियों के पुरस्कार भैया बहनों को उनकी प्रतिभा के आधार पर प्रदान किए गए। इसके साथ ही राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित कक्षा आठवीं की परीक्षा में नगर में प्रथम आने वाली बहन निकिता मालक को मंच से सम्मानित किया गया। बहन निकिता ने विद्यालय का पूरे पचोर नगर का

नाम रोशन किया है। पुरस्कार वितरण करने आए संचालन समिति के व्यवस्थापक अंकित अग्रवाल ने भैया बहनों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की और अपेक्षा जताई कि वह आगे भी इसी तरह अपनी मेहनत से श्रेष्ठ अंक अर्जित कर अपना और विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। उनके साथ मंच पर विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष मोहन नागर, प्रतिष्ठित समाजसेवी योग गुरु के नाम से प्रसिद्ध सूरज प्रकाश गुप्ता विद्यालय के प्राचार्य अंकित दुबे उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत रमेश विश्वकर्मा ,विशाल विश्वकर्मा महादेव भिलाला ने किया अतिथि परिचय एवं कार्यक्रम का सफल संचालन भगवान सिंह नागर के द्वारा किया गया उपरोक्त जानकारी विद्यालय के प्रचार प्रमुख ओमप्रकाश कारपेंटर के द्वारा दी गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सत्यम सामाजिक विकास फाउंडेशन समिति द्वारा नाइहेडा में जल मंदिर का किया गया शुभारंभ

मुकेश बैरागी , समय जगत जीरापुर। मध्य प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर योजना में चयनित संस्था सत्यम सामाजिक विकास फाऊंडेशन समिति

नाइहेडा द्वारा शनिवार को जल मंदिर निःशुल्क प्याऊ का शुभारंभ किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य राहगीरों, मजदूरों और जरूरतमंदों को गर्मी के समय में ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। नवांकुर संस्था द्वारा सेवा और परोपकार की भावना को बढ़ावा देकर समाज में सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने हेतु अनूठी पहल की गई है। निःशुल्क प्याऊ केवल पानी देने का कार्य नहीं है, बल्कि यह मानव सेवा का प्रतीक है तथा इससे समाज में सेवा भावना बढ़ती है एवं सामूहिक जिम्मेदारी का विकास होता है। नवांकुर संस्था की यह पहल हमें सिखाती है कि छोटी-छोटी सेवाएं भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकती हैं जल मंदिर का शुभारंभ सादलपुर गांव के मेन चौक पर किया गया तथा सभी को संकल्प दिलाया कि नगर के मुख्य स्थानों पर जल मंदिर स्थापित किए जाएंगे इस मौके पर नवांकुर संस्था सत्यम सामाजिक विकास फाऊंडेशन समिति नाइहेडा के सचिव रामचंद्र दांगी मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ब्लॉक जीरापुर के ब्लॉक समन्वयक बीरम सिंह परमार एमएसडब्ल्यू छात्र सुभाष दांगी गांव के पटेल आदि उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस एवं विश्व कल्याण महायज्ञ का किया गया आयोजन

आरएसएस पदाधिकारी एवं छात्र- छात्राएं रहे उपस्थित

समय जगत, जबलपुर। विश्व आयुर्वेद परिषद की जबलपुर इकाई द्वारा दिनांक 27 मार्च को वर्ष प्रतिपदा एवं विश्व आयुर्वेद परिषद की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विश्व कल्याण महायज्ञ का आयोजन संघ कार्यालय केशव कुटी नेपियर टाउन में आयोजित किया गया। जिसमें विश्व आयुर्वेद परिषद के डॉ आर के गुप्ता, डॉ पंकज मिश्रा, डॉ मुकेश पांडेय, डॉ रवि प्रजापति, डॉ सर्वेश पटेल,डॉ सुधांशु गुप्ता, डॉ मनीष मेहरा एवं समस्त चिकित्सक व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रहे।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा एवरेस्ट प्रेस ई-49/8 औखला, इंडस्ट्रीयल-एरिया प्लॉट-2 प्रींटिंग प्रेस से मुद्रित एवं बी-125 सादतपुर कालोनी दिल्ली-110094 से प्रकाशित। RNI NO. DELHIN/2005/14553, **प्रधान संपादक:** अशोक त्रिपाठी * **संपादक** अनिल श्रीवास्तव * **समाचार संपादक** सौरभ वार्ष्णेय

दिल्ली कार्यालय : एस-557, हीरा कॉम्पलेक्स 203 द्वितीय तल मुख्य मार्ग शकरपुर दिल्ली- 01142173537, 9899589700, **भोपाल कार्यालय** - 9, रायल हाउस, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-1, भोपाल। **फोन :** 0755-4273868, 4203479 **फैक्स :** 4094417 **ई-मेल** dainiksamayjagat.delhi@gmail.com *(समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)